❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 231

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ बुधवार, 08 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

जेनेरिक से नवाचार तक का सफर 04
पुलकित सम्राट की 'ग्लोरी' का दमदार टीज़र रिलीज 08

संक्षिप्त खबरें ।।।

असम पुलिस जांच के लिये खेड़ा के घर पहुंची

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की ओर से कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिये असम पुलिस की एक टीम श्री खेड़ा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास पर पहुंची है। श्री खेड़ा ने हाल ही में यह आरोप लगाया था कि श्रीमती सरमा के पास तीन विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अघोषित संपत्तियां हैं। मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया था। श्रीमती सरमा ने इन आरोपों पर श्री खेड़ा के खिलाफ असम की क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सूत्रों के मुताबिक असम पुलिस की टीम इसी मामले में पूछताछ के लिये श्री खेड़ा के आवास पर आई है।

मणिपुर में फिर हिंसा भड़कने के बाद इंटरनेट प्रतिबंधित, कर्फ्यू लागू

इंफाल/बिष्णुपुर। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मंगलवार को कुकी उग्रवादियों के संदिग्ध हमले में दो बच्चों की हत्या के बाद अधिकारियों ने घाटी के प्रमुख क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाने के साथ-साथ इंटरनेट सेवाओं को भी अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। कुकी उग्रवादियों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा है, जिसके चलते बिष्णुपुर जिले और आसपास के इलाकों में व्यापक अशांति और भय का माहौल बन गया है। मणिपुर सरकार ने इसके जवाब में कानून-व्यवस्था को और बिगड़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। बिष्णुपुर जिले की जिला मजिस्ट्रेट पूजा एलांगबम ने बिष्णुपुर के लिए कर्फ्यू का आदेश जारी किया है। उन्होंने घोषणा की कि 3 मार्च को लगाए गए प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक लागू रहेंगे। प्रशासन ने कहा कि स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोगों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है।

बेमौसम बारिश खेती किसानी के लिये बनी आफत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य इलाकों में तेज रफ्तार हवाओं के बीच बारिश और ओलावृष्टि ने किसानो की नींद हराम कर दी है। मौसम विभाग ने नौ अप्रैल तक आंधी बारिश की संभावना जताते हुये ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते शनिवार और रविवार को आंधी,बारिश और ओलावृष्टि ने कानपुर, उन्नाव, जालौन, औरैया समेत कई स्थानो पर जमकर कहर बरपाया था। मौसम की मार से खेत खलिहान में पड़ी फसल को व्यापक नुकसान हुआ था। सोमवार को धूप खिलने से किसान अपनी बची खुची फसल को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे थे कि आज यानी मंगलवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में बारिश ने एक बार फिर प्रकोप दिखाया। हालांकि मौसम विभाग ने कल ही मौसम के बिगड़े मिजाज की भविष्यवाणी कर किसानो को सावधान कर दिया था।

शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मानदेय में ऐतिहासिक वृद्धि

योगी कैबिनेट

शिक्षामित्रों का मानदेय 18,000 और अंशकालिक अनुदेशकों का 17,000 किया गया

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर मुहर लगाते हुए प्रदेश कैबिनेट ने मंगलवार को शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। शिक्षा मित्रों को अब दस हजार के स्थान पर 18 हजार रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों को नौ हजार के स्थान पर 17 हजार रुपये मिलेंगे।

इस निर्णय से प्रदेश के 1.43 लाख शिक्षा मित्रों और करीब 25 हजार अनुदेशकों को सीधा लाभ मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इससे सरकार पर कुल 1475.27 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार, वर्ष 2017 में 10,000 निर्धारित किए गए शिक्षामित्रों के मानदेय को अब बढ़ाकर 18,000 प्रतिमाह कर दिया गया है। इसी प्रकार अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाकर अब 17,000 प्रतिमाह कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल से लागू हो जाएगा। यह निर्णय उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2026 के प्रथम सत्र में मुख्यमंत्री की घोषणा के

❒ बढ़ा हुआ मानदेय एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और मई माह में दिए जाने वाले भुगतान में यह वृद्धि शामिल होगी

❒ निर्णय से प्रदेश सरकार पर 1475.27 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त व्यय भार आने का अनुमान

मद्देनज़र लिया गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि बढ़ा हुआ मानदेय वर्ष में 11 माह के लिए देय होगा। 1.43 लाख शिक्षामित्रों को मिलेगा लाभकैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक केंद्र सरकार से समय शिक्षा अभियान के तहत 60:40 अनुपात में प्राप्त होता था। समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्रांश के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा तथा अनुमोदन प्राप्त न होने की स्थिति में बढ़े हुए मानदेय के कारण इन पर आने वाला अतिरिक्त 1138.12 करोड़ का व्यय राज्य सरकार वहन करेगी। वहीं शेष 13,597 शिक्षामित्र, जिनका भुगतान पूरी तरह राज्य सरकार द्वारा किया जाता है, उनके लिए 119.65 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार भी प्रदेश सरकार उठाएगी। करीब 25 हजार अनुदेशक होंगे लाभान्वितसंदीप सिंह ने बताया कि इसी प्रकार अंशकालिक अनुदेशकों को भी बड़ी राहत दी गई है। वर्ष 2017 में निर्धारित 9,000 मानदेय को बढ़ाकर अब 17,000 प्रतिमाह कर दिया गया है। प्रदेश के 13,769 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान में 24,717 अंशकालिक अनुदेशक कार्यरत हैं। इस वृद्धि से राज्य सरकार पर 217.50 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। उन्होंने स्पष्ट किया है कि बढ़ा हुआ मानदेय एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और मई में दिए जाने वाले भुगतान में यह वृद्धि शामिल होगी।

ग्रेटर नोएडा में बनेगा 'मेट्रो विश्वविद्यालय'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। यह फैसला प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019 के प्रावधानों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त अधिनियम के तहत निजी

'डॉ. बीआर अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना' को मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महापुरुषों की विरासत को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों के विकास का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'डा. बीआर. अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना' को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। इस योजना में महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों का संरक्षण, सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। सरकार के इस फैसले को वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में दलित वोट बैंक को लुभाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसके योजना के तहत राज्य सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्गीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) जनता को इस योजना और चयनित स्थलों के बारे में जानकारी भी देंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारक, 403 करोड़ का प्रावधानयह पहल न केवल ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित करेगी, बल्कि उन्हें जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित करेगी। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्मारकों का विकास किया जाएगा। प्रति स्मारक 10 लाख रुपये की लागत तय की गई है। इसके तहत कुल 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्मारकों के आसपास बाउंड्रीवॉल, छत्र निर्माण, सौंदर्याकरण, हरियाली का विकास और प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। सांस्कृतिक धरोहर के साथ रोजगार सृजन भीयोजना का उद्देश्य सिर्फ मूर्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों को विकसित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना भी है। निर्माण कार्यों के जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। जन जागरूकता और विरासत संरक्षण को बढ़ावायोगी सरकार की यह पहल मूर्ति स्थलों को केवल प्रतीकात्मक स्थान न बना कर उन्हें जानकारीपरक और जन उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे नई पीढ़ी को महापुरुषों के योगदान के बारे में जानने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। इसके तहत 31 दिसम्बर, 2025 तक स्थापित ▸▸ शेष पेज 02 पर

प्रशिक्षण के लिए 21 प्रशिक्षु आईएएस को जिले आवंटित

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। राज्य सरकार ने यूपी कॉडर के वर्ष 2025 बैच के 21 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए जिलों का आवंटन कर दिया है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी किया। जिलों में ये अधिकारी सहायक मजिस्ट्रेट और सहायक कलेक्टर के रूप में काम करेंगे। शक्ति दुबे को मुरादाबाद, कोमल पुनिया इटावा, आदित्य विक्रम अग्रवाल अयोध्या, मयंक त्रिपाठी कुशीनगर, हेमंत आगरा, संस्कृति द्विवेदी को हरदोई में तैनाती दी गई है। रिया सैनी वाराणसी, शिवांस सुभाष जगाड़े बलरामपुर, शिवम सिंह प्रयागराज, सलोनी गौतम मथुरा, सिद्धार्थ सिंह को आजमगढ़ में तैनाती दी गई है। श्वेता लखनऊ, रेखा सियाक बांदा, आयुष जायसवाल अलीगढ़, अपूर्वा सिंह बस्ती, आयुष सैनी झांसी, मुकुल खंडेलवाल गोरखपुर, थनीगैयारासन टी अंबेडकरनगर, संदीप कुमार कानपुर नगर, रामभोश सरन सहारनपुर और विद्यांशु शेखर झा को बाराबंकी में तैनाती दी गई है। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को राज्य सरकार में योगदान देने के लिए आवश्यक यात्रा व्यवस्था व ▸▸ शेष पेज 02 पर

पाकिस्तान कितने टुकड़ों में बंटेगा, भगवान ही जाने: राजनाथ

एजेंसी

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी देने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पाकिस्तान को इस तरह की भड़काऊ और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचना चाहिए, अन्यथा उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के बाद पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था और बांग्लादेश का गठन हुआ था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान इस बार पश्चिम बंगाल की ओर बुरी नजर डालने की कोशिश करेगा तो इस बार उसके कितने टुकड़े होंगे, यह केवल भगवान ही जानते हैं।

क्या कहा था पाकिस्तान के रक्षा मंत्री नेपाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने 04 अप्रैल को सियालकोट में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भारत को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि भारत कोई झूठा हमला (फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन) करने की कोशिश करता है तो संघर्ष केवल सीमा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है।

उनके इस बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हो गई और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका सार्वजनिक रूप से जवाब दिया।राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को इतिहास से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 55 वर्ष पहले 1971 में जब युद्ध हुआ था तो पाकिस्तान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़े थे। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर कोई दुस्साहस किया तो परिणाम और भी अधिक गंभीर हो सकते हैं।उन्होंने पाकिस्तान को उकसाने वाली बयानबाजी से बचने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की दिशा में काम करने की सलाह दी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब पाकिस्तान कोलकाता पर हमले की बात करता है तब केंद्र सरकार को स्पष्ट प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चुनावी रैलियों में तो पश्चिम बंगाल की आलोचना करते हैं, लेकिन बाहरी धमकियों पर चुप रहते हैं। ममता सरकार पर राजनाथ सिंह का निशानाअपने भाषण में राजनाथ सिंह ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में उत्पीड़न और विश्वासघात की राजनीति हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन कार्यकाल के ▸▸ शेष पेज 02 पर

ईरान के खर्ग द्वीप पर भारी बमबारी

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान के प्राइमरी क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट हब को खर्ग द्वीप को अमेरिका ने निशाना बनाया है। अमेरिकी वायुसेना की ओर से खर्ग द्वीप पर मंगलवार को बड़े पैमाने पर बमबारी की गई। ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के हर पुल और पावर प्लांट को उड़ाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे युद्ध अपराध करने की चिंता बिल्कुल नहीं कर रहे हैं और उन्होंने ईरान की बुनियादी सुविधाओं को नष्ट करने की धमकी जारी रखी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि हर पावर प्लांट जलता हुआ, फटता हुआ और फिर कभी इस्तेमाल न होने वाला रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मुझे ऐसा नहीं करना पड़े।'

❒ अमेरिकी वायुसेना ने क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट हब को बनाया निशाना

ईरान के लिए खर्ग द्वीप बेहद अहम है क्योंकि यह देश के कच्चे तेल के निर्यात का मुख्य केंद्र है। फारस की खाड़ी में स्थित यह छोटा सा द्वीप ईरान के तट से लगभग 25-30 किलोमीटर दूर है। यहां से ईरान के कुल कच्चे तेल निर्यात का करीब 90 प्रतिशत गुजरता है। मुख्य तेल क्षेत्रों जैसे अहह्वाज, मारुन और गचसारान से पाइपलाइनों के जरिए तेल यहां पहुंचता है, जहां 30 मिलियन बैरल तक का भंडारण क्षमता है। गहरे पानी होने के कारण यहां 10 सुपरटैंकर एक साथ लोड हो सकते हैं, जिसकी दैनिक क्षमता लगभग 7 मिलियन बैरल है। तेल मुख्य रूप से चीन और एशियाई बाजारों को निर्यात होता है, जो ईरान की विदेशी मुद्रा कमाने का प्रमुख स्रोत है।

खर्ग द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि तेल निर्यात से मिलने वाला राजस्व सरकारी बजट और सैन्य खर्च को चलाता है। अगर खर्ग द्वीप पर कोई गंभीर हमला या व्यवधान होता है, तो ईरान का तेल निर्यात लगभग ठप हो जाएगा, जिससे अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचेगा। इसी कारण इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा या क्राउन ज्वेल कहा जाता है। हाल के संघर्षों में भी इसकी रणनीतिक संवेदनशीलता उजागर हुई है, जहां सैन्य सुरक्षा को मजबूत किया गया है। हालांकि, अब यह अमेरिका के टारगेट पर आ चुका है।

लैंगिक समानता के चश्मे से नहीं देखी जा सकतीं ज़रूरी धार्मिक प्रथाएं

एजेंसी

❒ सबरीमला मंदिर मामले में केंद्र ने शीर्ष अदालत से कहा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले की समीक्षा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सभी संवैधानिक प्रश्नों को केवल लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता और 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का बचाव किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना, एम. एम. सुंद्रेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी. वराले, आर. महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। केन्द्र और केरल सरकार ने अपने पक्ष में कहा कि यह प्रतिबंध मंदिर के देवता की प्रकृति से जुड़ा एक ''आवश्यक धार्मिक आचरण'' है, जो न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारत में धार्मिक विविधता है और विभिन्न धर्मों तथा संप्रदायों की ▸▸ शेष पेज 02 पर

हटे 90 लाख से ज्यादा नाम

एजेंसी

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 'विचाराधीन' सूची से हटाए गए नामों का जिला-वार विवरण जारी कर दिया है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, लगभग 60 लाख मतदाताओं की इस श्रेणी में से 27 लाख,16 हजार, 393 नाम हटा दिए गए हैं। इसके साथ ही सात अप्रैल तक पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से हटाए गए नामों की कुल संख्या बढ़कर 90 लाख, 83 हजार, 345 हो गई है। गौरतलब है कि इससे पहले आयोग ने 28 फरवरी को प्रकाशित पहली सूची में 63 लाख , 66 हजार, 952 नाम हटाए थे। अब इसमें 27 लाख से अधिक नए नाम जुड़ने के

❒ पश्चिम बंगाल में एसआईआर

बाद यह आंकड़ा एक करोड़ के करीब पहुंच गया है, जिसने चुनावों से ठीक पहले राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, मुर्शिदाबाद जिले में विचाराधीन सूची से सर्वाधिक 4 लाख ,55 हजार, 137 नाम हटाए गए हैं। अगर 28 फरवरी की पहली सूची में हटाए गए 2 लाख, 93 हजार, 822 नामों को भी जोड़ लिया जाए, तो अकेले मुर्शिदाबाद में ही अब तक लगभग 7 लाख, 49 हजार नाम काटे जा चुके हैं। हालांकि विचाराधीन सूची के मामले में मुर्शिदाबाद शीर्ष पर है, लेकिन दोनों सूचियों के संयुक्त आंकड़ों को देखें तो उत्तर 24 परगना सर्वाधिक प्रभावित जिला बनकर उभरा है। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर 24 परगना में विचाराधीन सूची से तीन लाख, 25 हजार, 666 नाम हटाए गए। पूर्व में हटाए गए 12 लाख, 60 हजार, 96 नामों को मिलाकर इस जिले में कुल कटौती का आंकड़ा सबसे अधिक 15 लाख, 82 हजार, 762 तक पहुंच गया है। दक्षिण 24 परगना में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कम हुए हैं, जहाँ दोनों सूचियों को मिलाकर कुल 10 लाख, 91 हजार, 98 नाम हटाए गए हैं। इसी प्रकार ▸▸ शेष पेज 02 पर

संत परंपरा ने हर दौर में बचाए भारतीय मूल्य: मुख्यमंत्री

भारत के राजा सिर्फ राम, दूसरा कोई नहीं : योगी

प्रभात समय संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत के सनातन राजा केवल प्रभु श्री राम हैं और उनके अलावा कोई दूसरा नहीं हो सकता।

वृंदावन में संत मलूकदास महाराज की 452वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत समाज को संबोधित करते हुए न केवल भक्ति मार्ग की महिमा बताई, बल्कि विरासत और विकास के मुद्दे पर विरोधियों को भी आड़े हाथों लिया। श्री सीताराम निकुंज अष्टयाम लीला महोत्सव के अवसर पर योगी ने संत परंपरा, सनातन संस्कृति और भारतीय आध्यात्मिक विरासत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि

जगद्गुरु मूलकदास जी महाराज ने वैष्णव परंपरा के रामानंदी संप्रदाय को अंगीकार कर जनचेतना को जागृत किया। उन्होंने प्रयागराज का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही पवित्र भूमि है, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी बहती है और जहां कुंभ व माघ मेले के दौरान देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचते हैं।

मंच से जनचेतना जागृत करते हुए मुख्यमंत्री ने गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''लोग कहते हैं कि तुलसीदास जी एक गरीब ब्राह्मण थे, लेकिन सत्य तो यह है कि वे स्वाभिमान के प्रतीक थे। उन्होंने मुगल काल के सबसे शक्तिशाली बादशाह के प्रस्ताव को यह कहकर ठुकरा दिया था कि वह किसी सांसारिक बादशाह को नहीं जानते। उनके लिए ब्रह्मांड के इकलौते राजा केवल राम हैं।'' योगी ने आगे कहा कि मध्यकाल में जब विदेशी आक्रांताओं के कारण सनातन धर्म पर अंधकार छाया था, तब भक्ति की इसी धारा ने राष्ट्र को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में संभल के हरिहर मंदिर और अयोध्या के संघर्ष का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संभल में 1526 में बाबर के अनुयायियों ने संभल में हरिहर मंदिर को नष्ट किया था, जहाँ 67 तीर्थ और 19 कुएं थे। वर्ष 1976 और 1978 के दंगों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि पिछली सपा सरकार में हिंदुओं की हत्या के आरोपियों के मुकदमे वापस ▸▸ शेष पेज 02 पर

भाजपा अम्बेडकर के बनाए संविधान को नहीं मानती : अखिलेश

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लोकतंत्र और संविधान विरोधी बताते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बनाए संविधान को नहीं मानती है। उन्होंने कहा कि भाजपा साजिश करके लोकतंत्र की पवित्रता को नष्ट करती है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से श्री यादव ने कहा कि ल्लपीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) की ताकत के सामने भाजपा टिक नहीं पाएगी।ङ्क उन्होंने दावा किया कि पीडीए की एकजुटता से भाजपा घबराई हुई है और समाजवादी पार्टी उसे लोकतंत्र की हत्या नहीं करने देगी।

उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीडीए वर्ग को उनका अधिकार और सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य सामाजिक न्याय की स्थापना है, जबकि भाजपा इस विचारधारा के खिलाफ काम कर रही है। श्री यादव ने भाजपा सरकार पर प्रदेश को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि हर विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ा है और कमीशनखोरी तथा मुनाफाखोरी के कारण जनता परेशान है।

सपा प्रमुख ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि अब बिजली उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर के माध्यम से लूट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले किसानों को नैनो यूरिया के माध्यम से नुकसान पहुंचाया गया और अब बिजली उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर के जरिए परेशान किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भाजपा को सत्ता से हटाने के लक्ष्य के साथ जनता के बीच जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के हटने से ही लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित रहेगा, भ्रष्टाचार और महंगाई खत्म होगी तथा युवाओं को रोजगार मिलेगा।

गोरखपुर में वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय को कैबिनेट की मंजूरी

प्रभात समय संवाददाता

❒ कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा विश्वविद्यालय, 491 करोड़ रुपये से अधिक आएगी लागत

❒ वानिकी एवं औद्यानिकी में संचालित किए जाएंगे बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर में बनने वाले 'उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय' को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इसके लिए ल्लउत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026ङ्क के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की है। 491 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह विश्वविद्यालय कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय के लिए इस वर्ष प्रस्तुत प्रदेश के बजट में भी 50 करोड़ रुपये पास कर चुकी है। गोरखपुर के इस पांचवें विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए योगी सरकार और गोरखपुर के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। इसके पहले सरकार ने दुनिया के पहले राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र की स्थापना गोरखपुर में ही की है। 6 सितंबर 2024 को कैम्पियरगंज में दुनिया के पहले राजगिद्ध जटायु (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही वानिकी विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। अब इसे कैबिनेट की भी मंजूरी मिल गई है। यह उत्तर भारत का पहला और पूरे देश का दूसरा वानिकी विश्वविद्यालय होगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही 50 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर प्रक्रियात्मक तैयारी तेज कर दी है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव का कहना है कि वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय में वानिकी के अलावा कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी और औद्यानिक के भी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स संचालित कराने की योजना है ताकि बड़ी संख्या में युवाओं के सामने नौकरी और रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हो सकें।

पीपीपी मॉडल पर अब 49 बस स्टेशनों का होगा कायाकल्प

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बस स्टेशनों के विकास के द्वितीय चरण को मंजूरी दे दी गई है। इस चरण में प्रारंभिक रूप से प्रस्तावित 54 बस स्टेशनों में से 6 अनुपयुक्त स्टेशनों को हटाते हुए तथा जनपद चंदौली को शामिल करते हुए कुल 49 बस स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। यह परियोजना पीपीपी के डीबीएफओटी (डिजाइन, बिल्ट, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर) मॉडल पर लागू की जाएगी, जिसमें राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं आएगा।

प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि परियोजना के तहत बस स्टेशनों को अत्याधुनिक स्वरूप दिया जाएगा, जहां यात्रियों को शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छता एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पात्रता शर्तों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। तकनीकी क्षमता की शर्त को परियोजना लागत के 150% से घटाकर 100% किया गया है, वहीं परियोजनाओं को पूरा करने की समय सीमा 5 से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दी गई है। नेट वर्थ की अनिवार्यता परियोजना लागत का 25% निर्धारित की गई है तथा कंसोर्टियम में सदस्यों की अधिकतम संख्या 3 से बढ़ाकर 4 कर दी गई है।

सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने पर परियोजना का काम शुरू करने की समय सीमा भी 6 माह से बढ़ाकर 12 माह कर दी गई है। निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी स्थलों पर 2.5 फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) और ग्राउंड कवरेज की निःशुल्क अनुमति देने का प्रस्ताव है। लीज अवधि 35 या 90 वर्ष निर्धारित की गई है और इसके समाप्त होने पर स्वामित्व स्वतः ही उत्तर प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन को प्राप्त हो जाएगा। कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि बिडिंग प्रक्रिया के दौरान यदि किसी संशोधन की आवश्यकता होती है, तो उसके लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत

किया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में 23 बस स्टेशनों (लखनऊ, कानपुर, आगरा सहित) को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है और द्वितीय चरण के 49 बस अड्डों के साथ अब कुल 52 जनपद इस योजना से आच्छादित हो जाएंगे, जबकि शेष 23 जनपदों को अगले चरण में शामिल किया जाएगा। परियोजना में ?4000 करोड़ से अधिक निवेश आने का अनुमान है (पहले चरण में लगभग ?2500 करोड़), जिसके तहत बस अड्डों को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित करते हुए वीआईपी लाउंज, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल और ठहरने की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कुल क्षेत्रफल का लगभग 55% हिस्सा सार्वजनिक सुविधाओं और 45% व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग होगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि कैबिनेट में मंजूर किए गए अन्य प्रस्तावों के तहत सिकंदराराऊ (हाथरस), नरौरा (बुलंदशहर) और तुलसीपुर (बलरामपुर) में नए बस अड्डों के निर्माण हेतु निःशुल्क भूमि हस्तांतरण को मंजूरी दी गई है। परियोजना के तहत निर्माण कार्य दो वर्षों में पूरा करने तथा व्यावसायिक गतिविधियों को सात वर्षों में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में प्रतिदिन 15 से 23 लाख यात्री परिवहन सेवाओं का उपयोग करते हैं, जो त्योहारों के दौरान 30 से 35 लाख तक पहुंच जाते हैं, ऐसे में यह योजना यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ ही शहरी भीड़भाड़ कम करने में भी सहायक होगी। नरौरा में बस स्टेशन के साथ डिपो कार्यशाला स्थापित की जाएगी, जबकि तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर के निकट यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक बस स्टेशन का निर्माण होगा। इन बस स्टेशनों को आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां दुकानों और फूड कोर्ट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

सेवा ही संकल्प भाजपा का मूल मंत्र : पवन मिश्र

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा देवरिया सेवा ही संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत गौरीबाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती मरीजों में फल वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि भाजपा सेवा ही संकल्प को मूल मंत्र मानकर सेवा कार्य करती है, अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा ही भाजपा की पहचान है। इस अवसर पर मुख्य रूप से मण्डल महामंत्री गौरीशंकर सिंह, अवधकिशोर पाण्डेय, विजेंद्र चौहान, मंजेश मौर्य, वीरेंद्र पाठक, संगम कन्नौजिया, सुशील कुमार उपस्थित रहे।

फाइलेरिया मरीजों का सहारा बन रहा एमएमडीपी

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पथरदेवा ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंजरिया में मंगलवार को गठित पीएसपी के सहयोग से फाइलेरिया मरीजों को रोग प्रबंधन के लिए एमएमडीपी प्रशिक्षण दिया गया। 14 मरीजों को रुग्णता प्रबंधन और दिव्यांगता निवारण किट का वितरण किया गया, जिससे वह घर पर ही अपने घावों और पैरों की बेहतर देखभाल कर सकें। इसके साथ ही व्यायाम करने के टिप्स दिए गए। इस दौरान पीएसपी सदस्य एएनएम ने डेमो देकर प्रभावित अंग की साफ सफाई की जानकारी दी।

मरीजों को प्रशिक्षण देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अजय ने कहा कि नियमित सफाई से सफाई फाइलेरिया प्रभावित अंग की सही देखभाल, साफ सफाई और व्यायाम से हाथीपांव की सूजन में कमी आई है। इसके साथ ही फाइलेरिया के अटैक भी कम हुए हैं। उन्होंने बीमारी की गंभीरता के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि फाइलेरिया बीमारी क्यूलेक्स मच्छर फाइलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो उसे भी संक्रमित कर देता, लेकिन संक्रमण के लक्षण पांच से 15 वर्ष में उभरकर सामने आते हैं। इससे व्यक्ति के हाथ-पैर में सूजन की शिकायत होती है या फिर अंडकोष में सूजन आ जाती है। महिलाओं को स्तन के आकार में परिवर्तन हो सकता है। शुरुआत में रोग की पहचान होने पर इसे रोका जा सकता है। इस बीमारी से साल में एक बार लगातार पांच साल दवा के सेवन से बचा जा सकता है। पीएसपी सदस्य सीएचओ ने फाइलेरिया मरीजों को हाथी पांव की नियमित सफाई, सूजन कम करने के उपाय, और संक्रमण से बचाव की जानकारी दी। बताया कि समय पर देखभाल से इस बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी है। मरीजों को लगातार साफ-सफाई और उपचार की आवश्यकता होती है। सीएचओ ने किट में मौजूद सामग्री जैसे साबुन, टावेल, एंटीसेप्टिक व अन्य उपकरणों के उपयोग की विधि करके दिखाया व मरीजों को समझाया।

कार्यक्रम में पीएसपी सदस्य एएनएम सत्या, डीसीजी सदस्य कोटेदार, बीएचडब्ल्यू राकेश, सहयोगी संस्था सीफार के जिला प्रतिनिधि सहित, आशा, आंगनबाडी, फाइलेरिया मरीज सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने किया शक्ति फ़ेज–5 व कर्मयोगी की समीक्षा

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया।कार्यवाही, मिशन शक्ति फ़ेज-5 तथा i-GOT कर्मयोगी कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक ने जनपद में अपराध नियंत्रण की वर्तमान स्थिति, लंबित विवेचनाओं, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा निरोधात्मक कार्यवाहियों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु सतत निगरानी एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए।

मिशन शक्ति फ़ेज-5 द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं से संबंधित अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई प्राथमिकता पर की जाए। साथ ही जनजागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के तहत पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास की स्थिति पर भी चर्चा की गई। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करने हेतु प्रेरित किया, जिससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देवरिया श्री संजीव सुमन, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह सहित जनपद के समस्त थानाध्यक्ष एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़क निर्माण में आमजन को न हो परेशानी: महापौर

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सीएम ग्रिड फ़ेज–2 योजना के तहत बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य को लेकर महापौर डॉ. अजय कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर निगम के शाकुंभरी सभागार में आयोजित बैठक में महापौर ने परियोजना से जुड़े अधिकारियों, कार्यदायी संस्था और क्षेत्रीय लोगों के साथ चर्चा की। इस दौरान परियोजना का डेमो भी प्रस्तुत किया गया। परियोजना के तहत अनुपम स्वीट्स से जैन कॉलेज रोड, आवास विकास होते हुए दिल्ली रोड स्थित मोहन पाण्डेय अस्पताल तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस पर लगभग 38 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत आएगी और कार्य पूर्ण करने की समयसीमा 11 मार्च 2027 निर्धारित की गई है। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान वाटर लाइन, सीवर लाइन, स्टॉर्म वाटर ड्रेन, भूमिगत विद्युत लाइन, डक्ट, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, रोड साइनेज तथा हरितकरण जैसे कार्य किए जाएंगे।

पेज एक का शेष...

ग्रेटर नोएडा में बनेगा...

विश्वविद्यालयों की स्थापना, उनके विनियमन एवं संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा. लि. नोएडा द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से आवंटित 26.1 एकड़ भूमि पर 'मेट्रो विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे विधिक प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण के बाद स्वीकृति दी गई है। इसके लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम-2019 की अनुसूची में संशोधन करते हुए 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026' प्रख्यापित किए जाने और प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार-पत्र निर्गत करने का फैसला किया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे और युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी। यह पहल राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी बढ़ेंगे।

'डॉ. बीआर अम्बेडकर...

मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनके आसपास के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

प्रशिक्षण के लिए 21...

मदद करने के लिए विजय कुमार विशेष सचिव नियुक्ति को नोडल अधिकारी नियुक्ति किया गया है। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी 17 अप्रैल को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मंसूरी से कार्यमुक्त होने के बाद जिलों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

पाकिस्तान कितने टुकड़ों ...

दौरान राज्य की आर्थिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां देश के अन्य राज्यों में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल में निवेश का माहौल कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई उद्योग राज्य से बाहर चले गए हैं और नए निवेशक भी यहां आने से हिचकिचा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नारे बांग्ला निजेर मेयेकेई छाय (बंगाल अपनी बेटी को ही चाहता है) का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनता ने तीन बार अपनी बेटी को चुना, लेकिन बदले में उन्हें विश्वासघात मिला। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी तीन बार मुख्यमंत्री बनीं लेकिन राज्य की जनता को अपेक्षित विकास नहीं मिल पाया।

लैंगिक समानता...

अपनी-अपनी परंपराएं हैं, जिन्हें समझते हुए अदालत को निर्णय करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत धार्मिक सिद्धांतों की जांच नहीं कर रही है बल्कि संवैधानिक व्याख्या कर रही है और इसमें विविधता को ध्यान में रखना जरूरी है। गौरतलब है कि 28 सितंबर 2018 को उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 4:1 बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर आयु संबंधी प्रतिबंध हटा दिया था। जनवरी 2020 में उच्चतम न्यायालय ने इस मामले की समीक्षा के लिए नौ न्यायाधीशों की पीठ गठित की थी और 10 फरवरी 2020 को यह माना था कि समीक्षा याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं।

हटे 90...

मालदा जिले में विचाराधीन सूची से दो लाख, 39 हजार, 375 नाम हटाए गए, जिससे यहाँ कुल कटौती चार लाख, 59 हजार, 530 हो गई है। अन्य जिलों में भी बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की पुष्टि हुई है। पूर्व मेदिनीपुर में कुल एक लाख, 65 हजार, 345 मतदाता हटाए गए हैं, जबकि अकेले कोलकाता में दो चरणों के दौरान कुल 6 लाख, 97 हजार, 160 नाम सूची से बाहर किए गए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित होने से पहले ही लगभग 58 लाख नाम हटा दिए गए थे। इसके बाद 28 फरवरी की अंतिम सूची में करीब पांच लाख और नामों की कटौती की गई थी। इसके पश्चात, 60 लाख, छह हजार, 675 मतदाताओं को गहन जांच के लिए 'विचाराधीन' श्रेणी में रखा गया था, जिनमें से अब 59 लाख, 84 हजार, 512 मतदाताओं का आधिकारिक डेटा जारी कर दिया गया है। आयोग के अनुसार, शेष 22 हजार, 163 मतदाताओं के मामलों का निपटारा तो हो चुका है, लेकिन उनके आवेदनों पर इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर न होने के कारण उन्हें लंबित रखा गया है। यह प्रक्रिया पूरी होते ही हटाने वाली सूची में कुछ और नाम जुड़ सकते हैं। हालांकि, आयोग ने यह भी संकेत दिया है कि अंतिम सत्यापन के परिणामों के आधार पर कुछ नामों को दोबारा मतदाता सूची में बहाल किए जाने की संभावना भी बनी हुई है। विशेष रूप से सीमावर्ती और घनी आबादी वाले जिलों में बड़े पैमाने पर हुई इस कटौती को आगामी चुनावों में एक बड़ा मुद्दा माना जा रहा है, जिसकी राजनीतिक दलों द्वारा कड़ी निगरानी किए जाने की संभावना है।

भारत के राजा सिर्फ...

लिए गए थे। लेकिन आज वहां सड़कें, धर्मशालाएं और परिक्रमा मार्ग बन रहे हैं।योगी ने कहा कि जब संत एक स्वर में बोलते हैं, तो अयोध्या का 500 वर्षों का कलंक मिट जाता है। काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या के कायाकल्प की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि 2017 से पहले अयोध्या में महज 3 घंटे बिजली मिलती थी और गलियां संकरी थीं। आज अयोध्या 'त्रेतायुग' की भव्यता की याद दिलाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास तभी सार्थक है जब हमारी विरासत सुरक्षित रहे।संतों की एकता में इतनी ताकत है कि 500 साल का संघर्ष खत्म हो सकता है, तो पूरा सनातन समाज एकजुट होकर किसी भी हिंदू विरोधी षड्यंत्र को सफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि जहां एक ओर फिल्में कुछ दिनों में भुला दी जाती हैं, वहीं संतों की कथाएं और धार्मिक आयोजन सदियों तक लोगों को जोड़ते हैं। लाखों श्रद्धालु कथा के हर प्रसंग को जानते हुए भी घंटों बैठकर उसे सुनते हैं और अपने जीवन में आत्मसात करते हैं। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि सनातन परंपरा और संतों की शिक्षाएं ही भारत की वास्तविक शक्ति हैं, जो देश को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और एकजुट बनाए रखती हैं।

नाका बाजार में इलेक्ट्रॉनिक गोदामों में लगी आग, लाखों का नुकसान जला

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। नाका क्षेत्र स्थित दो इलेक्ट्रॉनिक गोदामों में आग भड़क उठी। देखते ही देखते गोदामों से घना धुआं उठने लगा, जिससे आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। हालात को बिगड़ता देख लोगों ने तुरंत डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना मिलते ही हजरतगंज और आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल की दो-दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। शुरुआती समय में आग इतनी तेज थी कि दमकल कर्मियों को बाहर से ही पानी की बौछार करनी पड़ी। काफी देर तक लगातार प्रयास के बाद जब धुएं की कुछ कम हुआ, तब टीम ने गोदाम का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरु की।

करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। इस हादसे में गोदाम में रखा लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। फायर विभाग के एफएसओ राम कुमार राठव ने बताया कि कंट्रोल रूम से आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई थी। मौके पर पहुंचने पर आग विकराल रूप ले चुकी थी, जिसके चलते अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी बुलाना पड़ा। उन्होंने बताया कि गोदाम का शटर बंद होने के कारण अंदर पहुंचने में दिक्कत आई, लेकिन शटर तोड़कर आग बुझाने में सफलता मिली।

शादी समारोह में लगी आग, लाखों का नुकसान

लखनऊ। दुबग्गा क्षेत्र स्थित हाजी कॉलोनी में मंगलवार शाम अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया।सूचना पर स्थानीय पुलिस व दमकल की एक गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, खाली प्लाट और छत पर रखी शादी समारोह की डिजाइन वाली डाई अज्ञात कारणों से जल उठी। पड़ोसियों ने पहले आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति बिगड़ती चली गई। करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।मालिक विपिन कुमार ने बताया कि आग लगने से तीन से चार लाख रुपए की डाई जलकर राख हो गई। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आने के बाद सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची और मामले की जांच की जा रही है।

लापता युवक का सड़क किनारे मिला शव

प्रभात समय संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां कस्बे में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब सड़क किनारे एक युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान नदौली गांव निवासी 22 वर्षीय रैकिश रावत के रूप में हुई है, जो सोमवार सुबह से लापता था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रैकिश रावत सोमवार सुबह ब्रम्हदासपुर निवासी मिस्त्री नंदकिशोर और निगोहां के मजदूर साथी रामराज टैटू के साथ लखनऊ काम करने गया था। परिजनों के मुताबिक देर शाम तक घर न लौटने पर परिवार के लोग चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन पूरी रात खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका। मंगलवार सुबह निगोहां गांव स्थित गैस गोदाम के पास बाबुखेड़ा मार्ग किनारे उसका शव पड़ा मिला। राहगीरों ने शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के बड़े भाई लवकुश ने बताया कि रैकिश को शराब पीने की आदत थी, लेकिन इस तरह संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से परिवार को हत्या की आशंका है। परिजनों ने उसके साथ काम पर गए मजदूर साथियों पर शक जताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और जल्द कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत स्कूल मे चला जागरूकता अभियान

लखनऊ, प्रभात समय संवाददाता। मिशन शक्ति फ़ेज 5.0 अभियान के तहत दिनांक 7 अप्रेल 2026 को सेंट माइकल्स स्कूल कपूरथला थाना अलीगंज जनपद लखनऊ मे बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। इस अभियान मे महिलाओं व बच्चों से सम्बंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 1090,181,1076 एवं अन्य महत्वपूर्ण नंबरो के साथ ही महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, साइबर क्राइम, यूपी कॉप एप, आदि के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई साथ ही साइबर क्राइम से बचाव के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम मे उपनिरीक्षक रवींद्रनाथ प्रजापति उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा तथा उपनिरीक्षक प्रगति सिंह द्वारा अहम भूमिका निभाई गई।

बंद पड़े मकान से लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

लखनऊ, प्रभात समय संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र के लौलाई इलाके में चोरों ने एक बंद पड़े मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना आइडियल पब्लिक स्कूल के पास की है, जहां अज्ञात चोरों ने छत के रास्ते घर में प्रवेश कर नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार, पीड़ित आदर्श कुमार पाण्डेय 29 मार्च से 5 अप्रैल तक अपने परिवार के साथ गांव गए हुए थे। इस दौरान उनका मकान पूरी तरह बंद था। चोरों ने इसी का फायदा उठाते हुए घर की छत पर लगी लोहे की जाली काटी और अंदर घुस गए। इसके बाद उन्होंने पूरे घर को खंगाल डाला और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। रविवार को जब परिवार गांव से वापस लौटा तो घर का सामान बिखरा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए। जांच करने पर पता चला कि घर से करीब 30-40 हजार रुपये नकद, सोने की दो बालियां, चांदी के जेवर, एक चांदी का सिक्का, समेत अन्य कीमती सामान गायब है। घटना की सूचना सोमवार को पुलिस को दी गई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रज्ञान-2026 का आगाज़, गांधी वॉरियर्स की जीत

बख्शी का तालाब, लखनऊ, प्रभात समय संवाददाता। आरआर ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में मंगलवार को वार्षिकोत्सव 'प्रज्ञान-2026' का शुभारंभ सचिव चित्रांशु अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर निदेशक प्रो. एस.एस. चौहान सहित संस्थान के शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।पहले दिन खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई। क्रिकेट के उद्घाटन मैच में आरआर गांधी वॉरियर्स ने आरआर शक्तिमान को 6 रन से हराया। गांधी वॉरियर्स ने 6 ओवर में 68 रन बनाए, जबकि शक्तिमान टीम 62 रन ही बना सकी। धुरंधर पाल सिंह ने नाबाद 33 रन व 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता।अन्य प्रतियोगिताओं में गर्ल्स बैडमिंटन में अदिति मिश्रा, बॉयज बैडमिंटन में शुभम बिंद व अब्दुल बारी, रस्साकशी में विशाल कुमार की टीम, कबड्डी में शिवम की टीम और वॉलीबॉल में स्पाइकरकिंग टीम विजेता रही। संस्थान के अनुसार आगामी दिनों में सांस्कृतिक व तकनीकी कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

तेज रफ्तार कार का कहर: बाइक सवार पिता-पुत्र को मारी टक्कर, दोनों गंभीर रूप से घायल

मोहनलालगंज, लखनऊ, प्रभात समय संवाददाता। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को कनकहा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार डिजायर कार ने बाइक सवार पिता-पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार,35 वर्षीय प्रदीप कुमार तिवारी निवासी ग्राम जोहवा हिसार, थाना बछरावां, जनपद रायबरेली अपने पिता त्रिभुवन नाथ तिवारी को बाइक से लेकर मोहनलालगंज क्षेत्र में एमआरआई कराने आए थे। जांच के बाद जब दोनों वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी दोपहर में कनकहा पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार डिजायर कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत डायल 112 पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए पीजीआई के ट्रामा सेंटर 2 रेफर कर दिया।मिली जानकारी के मुताबिक त्रिभुवन नाथ तिवारी के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि प्रदीप कुमार भी घायल हैं। परिजन भी सूचना पाकर मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस की मदद से दोनों को ट्रामा सेंटर ले जाया गया।पुलिस के अनुसार, अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

उप्र एटीएस ने शामली से चार संदिग्धों को उठाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने शामली जिले में अलग-अलग जगहों पर छापेमार कर एक महिला समेत चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इन लोगों पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। जानकारी के अनुसार सहारनपुर से आई एटीएस टीम ने मंगलवार की सुबह शामली जनपद में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। कैराना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को उठाया है। पूछताछ के बाद टीम चारों को अपने साथ ले गई। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि राशिद और उसकी पत्नी समेत चार लोगों को कार सवार युवक अपने साथ ले गए हैं। राशिद नकली करेंसी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मामले से कुछ भी बताने से इनकार किया है। एटीएस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। एटीएस ने यह कार्रवाई कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद की है।

भाजपा प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर तेज हुई हलचल

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अमेठी मंडल स्थित श्री हरि पैलेस में 9 व 10 अप्रैल 2026 तथा गोसाईगंज मंडल के विशाल गार्डन में 10 व 11 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के मद्देनजर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हंसराज रावत ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, पार्किंग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा तथा पदाधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान भाजपा का महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रम है, जिसमें कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यपद्धति और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएं और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

कर्मियों की विभागीय कार्रवाई व सतर्कता जांच भी मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज होगी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। राज्य सरकार ने राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना को मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने इस संबंध में मंगलवार को शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश भेजते हुए इसे कड़ाई से पालन करने को कहा है। प्रमुख सचिव की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि प्रदेश में मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मियों की जानकारी अपडेट करेंगे। विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे।

यह काम ऑफिस एडमिन लॉगिन से किया जाएगा। प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल में लॉगिन करेंगे और इसके बाद ऐसे सभी कार्मिकों की स्थिति को दर्ज करेंगे। जिन कार्मिकों के संबंध में विभागीय कार्रवाई, सतर्कता जांच है, उन मामलों में खुलने वाले फार्म में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाएगा। संबंधित विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधित जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज किया जाएगा। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है, उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाएगा। विभागीय अधिकारियों को ऑनलाइन अपडेट करने के लिए प्रारूप भी भेजा गया है, जिससे वे इसके आधार पर इस प्रक्रिया को जल्द पूरी कर लें।

लखनऊ में विधानभवन के सामने महिला ने आत्मदाह का किया प्रयास, पुलिस ने बचाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विधानभवन के सामने मंगलवार को एक महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया। भवन की सुरक्षा में मुस्तैद सुरक्षाकर्मियों ने महिला को बचा लिया। इससे पहले भी महिला ने भवन के सामने जान देने की कोशिश की थी। पुलिस पूछताछ में पीड़ित महिला ने बताया कि उसका नाम संध्या सिंह और गाजीपुर इंदिरा नगर के सेक्टर 22 की रहने वाली है। उसका मानकनगर क्षेत्र में 1600 वर्ग गज की जमीन है, जिस पर कुछ लोगों ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया है। उसने कई बार पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उसकी फरियाद को सुना नहीं गया। पुलिस और जिला प्रशासन की हीलाहवाली की वजह से उसने 27 फरवरी को भी विधानभवन के सामने आत्मदाह का प्रयास किया था, लेकिन उस समय मौजूद पुलिस अफसरों ने उसके साथ न्याय और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शांत करा लिया था।

नारी शक्ति को संवैधानिक अधिकार: मोदी सरकार का ऐतिहासिक फैसला, विपक्ष की राजनीति उजागर

महिला आरक्षण पर विपक्ष अब भी असमंजस में: डॉ. राजेश्वर सिंह

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ।दशकों तक केवल वादों और राजनीतिक बयानबाज़ी में उलझे रहे सदन में महिला आरक्षण के मुद्दे को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में साकार कर दिया। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान सुनिश्चित करना न केवल एक ऐतिहासिक निर्णय है, बल्कि यह देश की आधी आबादी को उनके अधिकार दिलाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण केवल एक नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान बन चुका है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली अनेक योजनाओं ने समाज के हर वर्ग की महिलाओं को नई शक्ति, सम्मान और अवसर प्रदान किए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी श्रृंखला का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी कदम है।

उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया, लेकिन कभी इसे अंतिम रूप तक नहीं पहुंचाया। आज जब यह ऐतिहासिक कानून कानून के रूप में पारित हो चुका है, जिसका क्रियान्वयन आगामी प्रक्रिया से जुड़ा है, और 16 से 18 अप्रैल तक प्रस्तावित विशेष संसद सत्र में इसके प्रभावी क्रियान्वयन व प्रक्रियात्मक पहलुओं पर चर्चा की जा रही है, तब भी विपक्ष द्वारा लगातार व्यवधान और विरोध करना उनकी नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है। डॉ. सिंह ने प्रश्न उठाया कि क्या कांग्रेस और उसका नेतृत्व वास्तव में महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी देना चाहते हैं, या फिर वे इस मुद्दे को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं? उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जी का नेतृत्व है, जिसने दशकों की देरी को समाप्त कर ठोस निर्णय लिया, वहीं दूसरी ओर विपक्ष है, जो आज भी भ्रम और विरोध की राजनीति में उलझा हुआ है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण अब केवल चर्चा का विषय नहीं, बल्कि एक सशक्त वास्तविकता है—और इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृढ़ संकल्प, स्पष्ट दृष्टि और प्रभावी नेतृत्व को जाता है।

किसानों को मिले उचित मुआवजा : रामाशीष

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई ओलावृष्टि एवं असामयिक वर्षा से किसानों को हुए भारी नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रभावित किसानों को तत्काल उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। डॉ. राय ने कहा कि देश और प्रदेश का अन्नदाता दिन-रात कड़ी मेहनत करके अपने खून-पसीने से फसल तैयार करता है, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण उसकी पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। हाल ही में हुई ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश के चलते किसानों की खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए सदैव तत्पर रहती हैं। ऐसी परिस्थितियों में सरकार का दायित्व बनता है कि वह किसानों के साथ खड़ी रहे और उन्हें त्वरित राहत प्रदान करे। उन्होंने मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराया जाए और नुकसान का सही आकलन करते हुए किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए।

औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन पैकेज पर मुहर

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के अंतर्गत उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति (एचएलईसी) की संस्तुतियों को मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय के तहत राज्य में संचालित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कंफर्ट (ख्रधए) जारी करने, पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराने तथा परियोजनाओं में आवश्यक संशोधन को स्वीकृति दी गई है, जिससे उद्योगों को संचालन में सहूलियत मिलेगी और उनकी वित्तीय व्यवहार्यता मजबूत होगी। कैबिनेट में कुल 22 प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई गई।

अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने बताया कि कैबिनेट के समक्ष रखे गए प्रस्तावों में 6 नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, एक इकाई के सब्सिडी क्लेम और एक परियोजना में संशोधित एलओसी को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर में ओएफसी टेक प्रा लि (589 करोड़ रुपये) एवं हाथरस में एजेआई केन इंडस्ट्रीज (1128 करोड़ रुपये) को एसजीएसटी प्रतिपूर्ति के लिए एलओसी जारी किए जाने की मंजूरी दी गई है। वहीं गोरखपुर स्थित इंडिया ग्लाइकोल्स लि. (669 करोड़ रुपये) और प्रयागराज की विस्कोस इंटरनेशनल प्रा. लि. (269 करोड़ रुपये) तथा गौतमबुद्ध नगर की इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्रा. लि. (रुपये 1146 करोड़) को पूंजीगत सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिससे इन इकाइयों की लागत में कमी आएगी और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त मुरादाबाद में त्रिवेणी इंजीनियरिंग को पूंजीगत सब्सिडी वितरण की स्वीकृति दी गई है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर स्थित आवादा इलेक्ट्रो लि. के 16,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट में संशोधन (ख्रधए में बदलाव) प्रस्ताव को भी कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया है, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को दूर किया जा सकेगा।

बैठक में विशेष रूप से सोलर सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े बड़े निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिससे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इन परियोजनाओं से सोलर उपकरणों के आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कैम्पियरगंज क्षेत्र में 50 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर में बनने वाले 'उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय' को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इसके लिए उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026 के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की है। 491 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह विश्वविद्यालय कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय के लिए इस वर्ष प्रस्तुत प्रदेश के बजट में भी 50 करोड़ रुपये पास कर चुकी है। गोरखपुर के इस पांचवें

❐ 491 करोड़ रुपये से अधिक आएगी लागत

विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए योगी सरकार और गोरखपुर के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। इसके पहले सरकार ने दुनिया के पहले राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र की स्थापना गोरखपुर में ही की है। 6 सितंबर 2024 को कैम्पियरगंज में दुनिया के पहले राजगिद्ध जटायु (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही वानिकी विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। अब इसे कैबिनेट की भी मंजूरी मिल गई है।

टूटेगा ट्रंप का दंभ

यह स्पष्ट है कि यह युद्ध किसी भी पक्ष के लिए लाभकारी नहीं है। शक्ति प्रदर्शन और दंभ की राजनीति अंततः विनाश का ही कारण बनती है। इतिहास गवाह है कि जिन नेताओं ने अहंकार में आकर निर्णय लिए, उन्हें अंततः असफलता का सामना करना पड़ा। आज की आवश्यकता है कि युद्ध की बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए।

दुनिया के इतिहास में यह बार-बार साबित हुआ है कि जब सत्ता के शिखर पर बैठे नेताओं का अहंकार हद पार कर जाता है, तो उसके परिणाम केवल एक देश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरी मानवता को उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। आज वैश्विक परिदृश्य में जो तनाव और अस्थिरता दिखाई दे रही है, उसमें डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीतियां और उनका बढ़ता दंभ एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा टकराव अब एक गंभीर युद्ध का रूप ले चुका है। यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की शक्ति-परीक्षा नहीं है, बल्कि इसके प्रभाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और स्थिरता पर पड़ रहे हैं। अमेरिका द्वारा किए गए हवाई हमलों में ईरान के कई शहर, सैन्य अड्डे, औद्योगिक इकाइयां और शैक्षणिक संस्थान भारी क्षति झेल चुके हैं। हजारों इमारतें मलबे में तब्दील हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने घुटने टेकने से इनकार कर दिया है। ईरान की जवाबी रणनीति ने इस युद्ध को एक नया मोड़ दे दिया है। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। यह जलडमरूमध्य विश्व के तेल परिवहन का प्रमुख मार्ग है। इसके बंद होने से तेल की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे ऊर्जा संकट गहरा गया है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। इसका असर भारत सहित कई देशों पर साफ दिखाई दे रहा है। तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण महंगाई बढ़ रही है, परिवहन महंगा हो रहा है और आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। उद्योगों की लागत बढ़ने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिससे वैश्विक मंदी का खतरा भी मंडराने लगा है। अमेरिका, जो खुद को विश्व की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति मानता रहा है, इस युद्ध में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन को मार गिराया है। ये वही अत्याधुनिक एफ श्रेणी के विमान हैं, जिन्हें अब तक अजेय और अत्यंत घातक माना जाता रहा है। यदि यह सच है, तो यह अमेरिका की सैन्य क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन द्वारा सैनिकों के हताहत होने की पुष्टि भी इस युद्ध की गंभीरता को दर्शाती है। सैकड़ों सैनिक घायल हो चुके हैं और कई अपनी जान गंवा चुके हैं। यह स्थिति तब है, जब अभी जमीनी युद्ध पूरी तरह शुरू भी नहीं हुआ है। यदि हालात ऐसे ही बने रहे, तो आने वाले समय में नुकसान और अधिक बढ़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पहलू है ट्रंप का रवैया। उनका बयान कि वे ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देंगे, न केवल एक आक्रामक चेतावनी है, बल्कि एक असंतुलित मानसिकता को भी दर्शाता है। एक जिम्मेदार वैश्विक नेता से इस तरह की भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती। यह बयान कूटनीति की बजाय टकराव को बढ़ावा देता है। इतिहास की ओर नजर डालें, तो ईरान जैसी सभ्यता को कभी पूरी तरह पराजित नहीं किया जा सका। हजारों वर्षों से यह देश अनेक आक्रमणों और संकटों का सामना करता आया है, लेकिन हर बार उसने खुद को पुनर्स्थापित किया है। यही कारण है कि आज भी ईरान मजबूती से खड़ा है और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। ट्रंप प्रशासन की नीतियों का एक और पहलू है उनका बढ़ता सैन्य बजट। उन्होंने रक्षा खर्च में अभूतपूर्व वृद्धि का प्रस्ताव रखा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा बताया जा रहा है। इसके विपरीत शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में कटौती की जा रही है। यह नीति न केवल असंतुलित है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सरकार का ध्यान किस दिशा में केंद्रित है। अमेरिका पहले ही भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। ऐसे में रक्षा खर्च में बढ़ोतरी और सामाजिक क्षेत्रों में कटौती से आंतरिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता के कारण आम नागरिक परेशान हैं और विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। इस युद्ध का प्रभाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। फ्रांस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और भारत जैसे देश भी इसके प्रभाव से जूझ रहे हैं। ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और बढ़ती महंगाई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। भारत के संदर्भ में देखें, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल ने आर्थिक संतुलन को प्रभावित किया है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ रही है, जिससे खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। इसका सीधा असर आम जनता की जीवनशैली पर पड़ रहा है। यह स्पष्ट है कि यह युद्ध किसी भी पक्ष के लिए लाभकारी नहीं है। शक्ति प्रदर्शन और दंभ की राजनीति अंततः विनाश का ही कारण बनती है। इतिहास गवाह है कि जिन नेताओं ने अहंकार में आकर निर्णय लिए, उन्हें अंततः असफलता का सामना करना पड़ा। आज की आवश्यकता है कि युद्ध की बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगे आकर इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि स्थिति और अधिक न बिगड़े। अंततः यह कहा जा सकता है कि सत्ता का दंभ स्थायी नहीं होता। चाहे वह कितना भी शक्तिशाली नेता क्यों न हो, उसे एक न एक दिन वास्तविकता का सामना करना ही पड़ता है। डोनाल्ड ट्रंप के सामने भी आज वही चुनौती है। यदि उन्होंने समय रहते अपने रवैये में बदलाव नहीं किया, तो यह संघर्ष न केवल अमेरिका के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी त्रासदी बन सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए और दुनिया को शांति, स्थिरता और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। मानवता का भविष्य युद्ध में नहीं, बल्कि आपसी समझ, सहयोग और शांति में ही सुरक्षित है।

जेनेरिक से नवाचार तक का सफर

भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 60 से 70 प्रतिशत सक्रिय औषधीय संघटक विदेशों से आयात करता है, जिसमें प्रमुख हिस्सा चीन से आता है। पेनिसिलिन जी, क्लैवुलैनिक अम्ल और पैरासिटामोल जैसे महत्वपूर्ण संघटकों के मामले में यह निर्भरता 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। कोविड-19 महामारी ने इस निर्भरता की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से उजागर कर दिया। चीन में लॉकडाउन के कारण आपूर्ति बाधित होते ही भारत में दवा उत्पादन प्रभावित हुआ। अनेक औषधि निर्माण इकाइयों को उत्पादन घटाना पड़ा और कुछ को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हो गया कि कच्चे माल की आपूर्ति में व्यवधान भारत की औषधि उत्पादन क्षमता को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज वैश्विक स्तर पर सस्ती दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन चुका है। विश्व की फार्मेसी के रूप में उसकी पहचान केवल एक उपमा नहीं, बल्कि उसकी उत्पादन क्षमता, निर्यात विस्तार और वैश्विक जनस्वास्थ्य में उसके योगदान का सशक्त प्रमाण है। वर्ष 2025-26 तक भारतीय औषधि बाजार 50 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वैश्विक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में उसका योगदान 20 प्रतिशत से अधिक है। अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी भारतीय कंपनियां लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं, जबकि अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता में भारत की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। यह उपलब्धि 1970 के दशक में पेटेंट कानूनों में हुए परिवर्तन का परिणाम है, जब भारत ने प्रक्रिया पेटेंट प्रणाली को अपनाकर घरेलू उद्योग को सशक्त किया और सस्ती दवाओं के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया।

किन्तु इस चमकदार उपलब्धि के पीछे एक गहरा विरोधाभास भी छिपा हुआ है। भारत जहां एक ओर तैयार दवाओं का प्रमुख निर्यातक है, वहीं दूसरी ओर उनके निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल और सक्रिय औषधीय संघटकों के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है। अनुमानतः भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 60 से 70 प्रतिशत सक्रिय औषधीय संघटक विदेशों से आयात करता है, जिसमें प्रमुख हिस्सा चीन से आता है। पेनिसिलिन जी, क्लैवुलैनिक अम्ल और पैरासिटामोल जैसे महत्वपूर्ण संघटकों के मामले में यह निर्भरता 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। कोविड-19 महामारी ने इस निर्भरता की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से उजागर कर दिया। चीन में लॉकडाउन के कारण आपूर्ति बाधित होते ही भारत में दवा उत्पादन प्रभावित हुआ। अनेक औषधि निर्माण इकाइयों को उत्पादन घटाना पड़ा और कुछ को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हो गया कि कच्चे माल की आपूर्ति में व्यवधान भारत की औषधि उत्पादन क्षमता को तुरंत प्रभावित कर सकता है। इस अनुभव ने आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को और अधिक प्रासंगिक बना दिया। इसी संदर्भ में सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की, जिसका उद्देश्य घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधीय संघटकों के उत्पादन को बढ़ावा देना है। यद्यपि इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, फिर भी अनेक संरचनात्मक समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। उच्च उत्पादन लागत, तकनीकी सीमाएं तथा कठोर पर्यावरणीय नियमों के कारण कई उत्पादन इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जिससे घरेलू उत्पादन

क्षमता सीमित हो गई है। नियामक ढांचे की कमजोरी भी इस क्षेत्र की एक प्रमुख चुनौती है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर औषधि नियंत्रण संस्थाओं में संसाधनों और प्रशिक्षित मानवबल की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। गुणवत्ता नियंत्रण में खामियों के कारण कई भारतीय औषधि निर्माण इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। कुछ मामलों में विदेशी नियामक संस्थाओं द्वारा आयात प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिनका कारण निर्माण प्रक्रियाओं में त्रुटियां और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन रहा है। इससे भारत की वैश्विक साख प्रभावित होती है और निर्यात संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, नकली दवाओं का बढ़ता बाजार भी एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। यह न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि औषधि उद्योग की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। मूल्य नियंत्रण नीतियों के कारण कंपनियों की लाभप्रदता सीमित होती है, जिससे वे अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त निवेश नहीं कर पातीं और मुख्यतः जेनेरिक उत्पादन तक ही सीमित रह जाती हैं। अनुसंधान एवं विकास में निवेश की कमी भारतीय औषधि क्षेत्र की एक बड़ी कमजोरी है। जहां वैश्विक औषधि कंपनियां अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा अनुसंधान पर खर्च करती हैं, वहीं भारत में यह अनुपात अपेक्षाकृत कम है। इसका परिणाम यह है कि भारत नवाचार आधारित दवाओं, जैविक औषधियों और व्यक्तिगत चिकित्सा जैसे उभरते क्षेत्रों में पीछे रह जाता है। भविष्य में इन क्षेत्रों का महत्व तेजी से बढ़ने वाला है, और यदि भारत ने समय रहते इस दिशा में निवेश नहीं बढ़ाया, तो वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है। कौशल विकास की कमी भी एक महत्वपूर्ण बाधा के रूप में सामने आती है। आधुनिक औषधि निर्माण, जैव प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है, जो वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच समुचित समन्वय के अभाव में छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता, जिससे नवाचार की गति प्रभावित होती है। पर्यावरणीय चुनौतियां भी इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। औषधि निर्माण प्रक्रिया ऊर्जा-गहन और प्रदूषणकारी होती है, जिसके कारण पर्यावरणीय मानकों का पालन करना महंगा पड़ता है। इससे उत्पादन लागत बढ़ती है और प्रतिस्पर्धात्मकता घटती है। साथ ही, डिजिटल प्रौद्योगिकी के सीमित उपयोग के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और गुणवत्ता निगरानी में भी बाधाएं उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक समग्र, संतुलित और दीर्घकालिक रणनीति अपनाना आवश्यक है। सबसे पहले, घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधीय संघटकों के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तार तथा औद्योगिक क्लस्टरों का विकास किया जाना चाहिए। छोटे और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करके उन्हें इस क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए सक्षम बनाना होगा। दूसरा, अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देते हुए सरकार को कर प्रोत्साहन बढ़ाने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से औषधि खोज प्रक्रिया को अधिक तेज और प्रभावी बनाया जा सकता है। तीसरा, नियामक सुधारों को लागू करना अत्यंत आवश्यक है। औषधि नियंत्रण संस्थाओं को अधिक संसाधन, तकनीकी क्षमता और स्वायत्तता प्रदान करनी होगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्ता निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कौशल विकास के क्षेत्र में भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि एक सक्षम और नवाचारी कार्यबल तैयार किया जा सके।

पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाना भी अनिवार्य है। इससे न केवल पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उत्पादन लागत में कमी और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि भी संभव होगी। अंततः, भारत को अपनी भूमिका को केवल सस्ती दवाओं के आपूर्तिकर्ता तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि नवाचार आधारित औषधियों, जैविक उत्पादों और व्यक्तिगत चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए स्पष्ट दृष्टि, सुदृढ़ नीतिगत समर्थन और निरंतर निवेश आवश्यक है। यदि भारत इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करता है, तो वह न केवल आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करेगा, बल्कि वैश्विक औषधि परिदृश्य में एक अग्रणी शक्ति के रूप में उभरेगा।

देश में गिरता शिक्षा का स्तर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अभी मेडिकल पीजी में शून्य (0) पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में राजनीति विज्ञान के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल छह परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाए। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होम साइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक ओर देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहा है तो तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं।

यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी ओर स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परंपरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं। यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है। वैसे देखा जाए तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी कैंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के लिए माफिया की बन पड़ी है। मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। राजनीति विज्ञान तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगियों ने किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त की नहीं होगी। यह सोचने का वक्त है कि आखिर हम जा कहां रहे हैं। शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर-दूर तक लक्षित नहीं हो रहे। सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर इलाज का लाइसेंस देंगे तो इसे आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति के साथ मजाक बनाना ही है। सरकार और आयोग को समय रहते शिक्षा के स्तर को बनाए रखने की पहल करनी होगी।

खरगे प्रसंग : तब ऐसी अशिक्षा क्या बुरी है!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गुजरात के लोगों को लेकर कहा है कि वहां के लोग 'अशिक्षित' हैं, इसलिए वहां के लोगों को पीएम मोदी आसानी से गुमराह कर सकते हैं, लेकिन केरल के लोग ज्यादा समझदार और शिक्षित हैं, इसलिए उन्हें कोई भ्रमित नहीं कर सकता। निश्चित ही यह कहकर खरगे ने न सिर्फ गुजरात के लोगों का, बल्कि उन सभी राज्यों में निवासरत भारतवासियों का अपमान किया है, जहां भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

देश में वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का भारतीय राजनीति में व्यापक विस्तार है। भाजपा सीधे तौर पर या गठबंधन के माध्यम से देश के 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सत्ता में है। एक तरह से देखें तो उत्तर भारत (हिंदी हृदयस्थल), पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत के अधिकांश हिस्से में भाजपा का सीधा प्रभाव है, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर के महत्वपूर्ण राज्यों में यह बड़े क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है। यह भी एक तथ्य है कि भाजपा और उसके सहयोगियों वाले राज्य भारत की लगभग 60 फीसद से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 58 से 62 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उन राज्यों में आता है जहाँ कि आज भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं। अब इस दिए गए खरगे के बयान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि ''कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी द्वारा गुजरात के लोगों के संदर्भ में दिए गए बयान अत्यंत आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।'' गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की तरह ही अन्य विरोध के स्वर भी सामने आए हैं, जिन्होंने सीधे तौर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को सिरे से नकारते हुए इसे अनुचित एवं देश के आमनागरिकों का अपमान बताया है। कभी-कभी लगता है कि पिछले 11 सालों से अधिक समय से केंद्रीय सत्ता से दूर रहने के बाद भी

शायद कांग्रेस समझना नहीं चाहती! यदि वास्तव में देश की जनता के मर्म को समझती तो इस तरह के संकुचित और स्वयं से भड़ास केंद्रित बयान कम से कम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तो नहीं देते। फिर इस बयान के संदर्भ में एक दूसरा दृष्टिकोण भी है, वह यह कि यदि गुजरात के लोग अशिक्षित भी हैं तो क्या बुरा है? वे जीवन का सत्य तो गहराई से पहचानते हैं! यदि खरगे केरल से गुजरात की तुलना कर भी रहे हैं तो देखें कि दोनों ही राज्य आज कहां खड़े हुए हैं। वस्तुतः भारत के विकास परिदृश्य में केरल और गुजरात दो ऐसे राज्य हैं, जो भिन्न विकास मॉडलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केरल को जहाँ सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव विकास सूचकांक के लिए जाना जाता है, वहीं गुजरात आर्थिक वृद्धि, औद्योगिकीकरण और निवेश के क्षेत्र में अग्रणी है। तुलनात्मक अध्ययन से ध्यान में आता है कि कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुजरात आगे है। अध्ययन जनसंख्या से आरंभ करते हैं; गुजरात की जनसंख्या लगभग 7.3 से 7.5 करोड़ है, जो केरल की लगभग 3.5 करोड़ जनसंख्या से दोगुनी से अधिक है। सामान्यतः यह अपेक्षा की जाती है कि अधिक जनसंख्या वाले राज्य में संसाधनों पर दबाव अधिक होगा, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएँ अधिक होंगी, किंतु वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। गुजरात, अपनी बड़ी जनसंख्या के बावजूद, रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और आर्थिक अवसरों के माध्यम से इन चुनौतियों को नियंत्रित करने में सफल रहा है। इसके विपरीत, केरल में कम जनसंख्या होने के बावजूद बेरोजगारी दर अधिक है। यहां बेरोजगारी दर 2025-26 में लगभग 7-8 फीसद के आसपास है। इसके विपरीत, गुजरात में बेरोजगारी दर मात्र 2-3 प्रतिशत है, जोकि देश में सबसे कम में से एक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि केवल शिक्षा दर उच्च होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक संरचना और रोजगार सृजन की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण है, जिसमें कि गुजरात आगे है। केरल की साक्षरता दर लगभग 96 फीसद है, जबकि गुजरात की 80-85 फीसद के बीच है, किन्तु इस उपलब्धि के बावजूद, यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या शिक्षा की ये उपलब्धि आर्थिक अवसरों में परिवर्तित हो रही हैं? उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी इस बात का संकेत देती है कि केरल की सामाजिक प्रगति आर्थिक संरचना से पूरी तरह जुड़ नहीं पाई है।इसके विपरीत, गुजरात ने शिक्षा में अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन के बावजूद आर्थिक अवसरों का विस्तार कर संतुलन स्थापित किया है। आर्थिक दृष्टि से गुजरात का प्रदर्शन अत्यंत प्रभावशाली रहा है।

2025-26 में गुजरात का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 29-30 लाख करोड़ के आसपास पहुँच चुका है, जबकि केरल का जीएसडीपी लगभग 14-15 लाख करोड़ है। विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में भी गुजरात लगातार शीर्ष राज्यों में बना हुआ है। 2025 तक यह राज्य अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित कर चुका है। गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसका औद्योगिक आधार है। पेट्रोकेमिकल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और बंदरगाह आधारित उद्योगों ने इसे भारत का औद्योगिक केंद्र बना दिया है। कहना होगा कि किसी भी राज्य में उसकी समग्र सफलता के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए औद्योगिक आधार अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र में गुजरात की बढ़त निर्णायक है। प्रति व्यक्ति आय के स्तर पर दोनों राज्य लगभग समान दिखाई देते हैं, किंतु वृद्धि दर और औद्योगिक योगदान के मामले में गुजरात आगे है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

❒ लूटकांड का खुलासा, गिरोह के 6 अन्य सदस्य भी दबोचे गए

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। थाना पुरवा पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में लूट की घटना का खुलासा करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर समेत गिरोह के छह अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे इलाज के लिए भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार 25 फरवरी 2026 को भूपतिपुर निवासी महेश कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात बदमाश उनकी पत्नी के हाथ से नगदी व जेवरात से भरा हैंडबैग लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में थाना पुरवा में मुकदमा दर्ज कर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को जांच में लगाया गया।

6 अप्रैल को संयुक्त टीम पुरवा-अचलगंज मार्ग स्थित शारदा नहर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिसके बाद एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे घायल कर गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान 25 हजार के इनामी गैंगस्टर इरफान अहमद के रूप में हुई। दूसरे आरोपी प्रेम सिंह को भी मौके से दबोच लिया गया।

पूछताछ में इरफान ने बताया कि उसने लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद इस्तेमाल की गई अपाचे बाइक को अपने साथियों के जरिए कबाड़ में कटवाकर बेच दिया था। वहीं लूटे गए जेवर को गलाने के लिए गिरोह के अन्य सदस्यों को सौंप दिया गया था। पुलिस ने इरफान की निशानदेही पर उसके गिरोह के अन्य सदस्यों जमीलुद्दीन, सादाब, विपिन जायसवाल, अब्दुल मजीद और फाजिल उर्फ लकी–को भी गिरफ्तार कर लिया। फाजिल के कब्जे से 250 ग्राम सफ़ेद धातु (आभूषण) बरामद किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन, चोरी की मोटरसाइकिल और लूटे गए जेवर बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी इरफान शातिर लुटेरा है, जो गुरुग्राम में रहकर मजदूरी करता है और समय-समय पर उन्नाव आकर वारदात को अंजाम देता है। वह कानपुर से बाइक चोरी कर लखनऊ, रायबरेली, फतेहपुर और कानपुर नगर में लूट करता था। वारदात के बाद वह माल को गिरोह के अन्य सदस्यों को देकर दोबारा गुरुग्राम लौट जाता था।

इरफान के खिलाफ लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के कई मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वहीं प्रेम सिंह का नाम भी इस प्रकरण में सामने आया है। घटना के सफल अनावरण पर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को पूर्व घोषित 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फर्जी दस्तावेजों से जमानत कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। थाना कोतवाली सदर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमानत कराने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से फर्जी मुहरें, आधार कार्ड और अन्य सामग्री बरामद की है। मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 30 मार्च 2026 को संजय कुमार निवासी ग्राम रिठनई थाना अचलगंज ने शिकायत दी थी कि उनके और उनके चाचा राजकुमार के नाम पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कूट रचित दस्तावेज तैयार कर नगर मजिस्ट्रेट न्यायालय में प्रस्तुत किए गए और जेल में निरुद्ध गुफरान की जमानत करा ली गई। इस संबंध में कोतवाली सदर में मुकदमा संख्या 174/2026 धारा 318(4)/319(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान सामने आया कि जेल में बंद गुफरान ने सोहेल अहमद से संपर्क किया था। सोहेल ने गुफरान के पिता से 22 हजार रुपये लेकर जमानत कराने की जिम्मेदारी ली और अपने साथी रंजीत की मदद से फर्जी आधार कार्ड, ग्राम प्रधान का निवास प्रमाण पत्र और थाने की रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दी। 6 अप्रैल 2026 को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुफरान और सोहेल अहमद को काशीराम मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान सोहेल के पास से 8 फर्जी मुहरें, 11 आधार कार्ड और एक इंक पैड बरामद किया गया। गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमे में धारा 336(3)/ 338/ 340(2)/ 61(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित सोहेल और रंजीत द्वारा अन्य मामलों में भी फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमानत कराने की बात सामने आ रही है, जिसकी जांच जारी है। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपितों में गुफरान (25) निवासी काशीराम कॉलोनी और सोहेल अहमद (60) निवासी शेखवाड़ा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गुफरान के खिलाफ कोतवाली सदर में डकैती, आर्म्स एक्ट, मारपीट, छेड़छाड़ सहित कई संगीन धाराओं में पूर्व में भी मुकदमे दर्ज हैं, जबकि सोहेल अहमद का नाम इसी प्रकरण में सामने आया है। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकांत मिश्र, उपनिरीक्षक पंकज राज शरद, हेड कांस्टेबल रामदेव प्रजापति, कांस्टेबल रजत, अमित और महिला कांस्टेबल गायत्री वर्मा शामिल रहे।

आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति का जागरूकता कार्यक्रम

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम द्वारा मंगलवार को आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी संतोष कुमारी, महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह, परिवार परामर्श प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर, उपनिरीक्षक मिथिलेश, एआरटीओ संजीव कुमार सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजना भदौरिया सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

इस दौरान छात्राओं को 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड लाइन), 108/102 (स्वास्थ्य सेवाएं) एवं 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनी प्रावधान, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय और महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जनपद के प्रत्येक थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श, शिकायत निस्तारण और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में महिला आरक्षी नीलम, पूजा, मोना, लक्ष्मी, आराधना एवं आरक्षी मानवेन्द्र सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अंत में प्रधानाचार्या अंजना भदौरिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अंगवस्त्र, मोती माला, बैज, प्रतीक चिन्ह एवं पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया।

विद्यालय में भव्य प्रवेश उत्सव, बीईओ ने किया प्रतिभाओं का गौरवपूर्ण अभिनंदन

❒ लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन पर रामपुर की खुशी और उपासना सम्मानित, बना समारोह का आकर्षण

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। विकासखंड औरास के प्राथमिक विद्यालय करौंदी में नवीन प्रवेश उत्सव एवं सम्मान समारोह उल्लासपूर्ण वातावरण और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, एकल गायन, "हम वक्त बदल देंगे", "रंगीलो मारो ढोलना" तथा योगा थीम पर मनोहारी प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रधानाध्यापिका लक्ष्मी यादव ने बीईओ के समक्ष विद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों का विस्तृत विवरण रखा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित कराया गया।

समारोह में उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा के प्रतिभाशाली खिलाड़ी खुशी और उपासना को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं खेलों में उच्च स्तरीय उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जो कार्यक्रम का केंद्रबिंदु रहा। रामपुर गढ़ौवा के शिक्षक प्रदीप वर्मा ने इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत उच्च कक्षाओं में नामांकन बढ़ाने हेतु अभिभावकों से रामपुर गढ़ौवा में प्रवेश दिलाने की अपील की, जबकि नोडल संकुल धर्मेंद्र सिंह ने भी अभिभावकों को प्रेरित किया।

बीईओ ने कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत विद्यालय में संचालित नवाचारी गतिविधियों की सराहना की। विद्या सागर मिश्र ने अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को लेखन-पट्ट भेंट किए। एआरपी शिखा सिंह, मनीष मिश्र एवं पूनम ने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत संपन्न विकास कार्यों की जानकारी दी।

विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों को पौध भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री अनिशा, पंचायत सदस्य मधु, पूर्व एआरपी इम्तियाज, शिक्षक उमेश, सचिन, अजय गंगवार, जागृति सहित ग्राम प्रधान अनीस अहमद, कई अन्य जनप्रतिनिधि, अभिभावक, विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुबाशीर हुसैन और संतोष ने किया, जबकि अंत में प्रधानाध्यापिका लक्ष्मी यादव और सहायक अमन ने इसे "बच्चों का दिन" बताते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

7 मई से दो चरणों में होगी जनगणना, छूटने न पाए कोई भी घर

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। अपर जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए जनगणना संबंधी कार्यों की जानकारी दी। बताया कि जिले भर में दो चरणों में जनगणना कार्य पूरा होगा। पहले चरण में मकानों का सूचीकरण व गणना का कार्य 2026 में की जाएगी। दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना 2027 में होगी। इस तरह शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में कोई भी घर नहीं छूटने पाए।

कलक्ट्रेट स्थित महर्षि वामदेव सभागार में मंगलवार को एडीएम कुमार धर्मेंद्र ने आयोजित जनगणना 2027 की बैठक में अधिकारियों से कहा कि जनगणना के आंकडे कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के आधार पर बनते हैं। प्रशिक्षण में बताया गया कि 7 से 21 मई तक परिवार के लोग स्वगणना कर सकते हैं। इसके बाद इसकी सूचना गणना होने पर संबंधित कार्मिकों को देनी आवश्यक है। 22 मई से 20 जून तक सुपरवाइजर जनगणना ब्लाक में जनगणना करेंगे। जनगणना कार्य के लिए कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए फील्ड कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 22 अप्रैल से तहसील स्तर पर प्रशिक्षण प्रगणक व सुपरवाइजरों को फील्ड ट्रेनरों प्रशिक्षण देंगे। निर्देश दिये कि एचबीएल हाउसलिस्टिंग ब्लाक बहुत ही सावधानी के साथ बनाएं। बताया कि अधिशाषी अधिकारी एवं तहसीलदार चार्ज अधिकारी होंगे। जनगणना कराने की जिम्मेदारी चार्ज अधिकारियों की होगी। उन्होंने बताया कि यह जनगणना अधिनियम 1948 के आधार पर की जा रही है। जनगणना कार्यों में सम्बन्धित अधिकारियों एवं विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका भी रहेगी। ग्राम प्रधानों को जनगणना के समय उनके गांवों में होने वाली जनगणना के संबंध में प्रचार-प्रसार कर सूचना दी जाएगी।

अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचीं ब्लॉक प्रमुख, वितरित की राहत सामग्री

❒ मल्लाहन पुरवा में 30 परिवारों को मिला सहारा, खाद्यान्न व जरूरी सामान बांटा

प्रभात समय संवाददाता

बांगरमऊ। क्षेत्र के गांव मल्लाहन पुरवा में पांच दिन पूर्व हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए मंगलवार को ब्लॉक प्रमुख संध्या सिंह पटेल गांव पहुंचीं। उन्होंने आग से प्रभावित करीब 30 परिवारों के बीच आवश्यक खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का वितरण किया।

ज्ञात हो कि मल्लाहन पुरवा गांव में अचानक लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था, जिससे लगभग 30 घर जलकर राख हो गए थे। इस हादसे में पीड़ित परिवारों का अनाज, कपड़े, बर्तन सहित दैनिक उपयोग का लगभग सारा सामान जलकर नष्ट हो गया था। घटना के बाद से ही पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थे।

ऐसे कठिन समय में ब्लॉक प्रमुख संध्या सिंह पटेल ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल जाना और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने प्रत्येक परिवार को राहत सामग्री के रूप में 10 किलो आटा, 5 किलो चावल, 6 किलो आलू, दाल, प्याज सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। इसके अलावा साड़ी, कपड़े और बर्तन भी दिए गए, ताकि प्रभावित परिवार अपनी दिनचर्या को दोबारा शुरू कर सकें।

क्विक न्यूज

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, हत्या का आरोप

बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के देवीनगर निवासी निर्मल (45) पत्नी जागेश्वर का शव घर पर संदिग्ध परिस्थितियों पड़ा पुलिस ने बरामद किया। मंगलवार को दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने उसकी बहन मीरा को जानकारी दी। सूचना पाकर मीरा मौके पर पहुंच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतका की बहन मीरा ने बताया कि उसकी पहली शादी बबेरू मे हुई थी। संतान न होने के कारण पति ने उसे छोड़ दिया। इसके बाद दूसरी शादी शहर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारा गांव में हुई थी। दूसरे पति से भी उसके बच्चे नहीं हुए। निर्मल अपने मायके में रहती थी। डेढ वर्ष पहले बीमारी से उसके पति की मौत को गई। उसके मकान के कुछ हिस्से पर पड़ोसियों ने कब्जा कर लिया था। बहन मीरा का आरोप है कि उसकी बहन की हत्या की गई है। दोनों डॉक्टरों के पैनल ने वीडियो ग्राफी के साथ शव का पोस्टमार्टम किया है। मीरा का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वह आगे की कार्रवाई करेगी।

युवती कुएं में गिरी, बचाने में युवक भी डूबा

बबेरू। कोतवाली क्षेत्र सातर गांव निवासी गोमती देवी (18) पुत्री पृथ्वीराज सोमवार की शाम घर के समीप स्थित कुएं में पानी भरने गई थी। अचानक चक्कर आने से वह कुएं के अंदर जा गिरी। युवती को गिरता देख मौके पर मौजूद विवेक (18) पुत्र रमेश ने उसे बचाने के लिए कुए में छलांग लगा दी। दोनों गहरे पानी में डूबने लगे। आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। सीढ़ी और रस्सी के सहारे कुएं में उतर कर ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला। सीएसची से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

चार लोगों ने जहर खाया भर्ती

बांदा। शहर के जरैली कोठी निवासी निराशा (20) पत्नी मुकेश ने सोमवार की रात घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहर खा लिया। गिरंवा थाना क्षेत्र के सहेवा गांव निवासी आकांक्षा (16) पुत्री संतोष ने घरेलू कलह से तंग आकर जहर खा लिया। हमीरपुर जिले कुनेहटा गांव निवासी पुष्पेंद्र (24) पुत्र रामदेव ने सोमवार की दोपहर किसी बात से नाराज होकर जहर खा लिया। बिसंडा थाना क्षेत्र के पल्हरी गांव निवासी सुकन्या (30) पत्नी कुन्ना ने घरेलू कलह से तंग आकर जहर खा लिया। सभी को जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया।

बाइक से गिर कर महिला घायल

बांदा। फतेहपुर जिला के निधवापुर गांव निवासी विमला देवी (50) पत्नी लाला मंगलवार की दोपहर अपने पति के साथ बाइक में बैठकर बांदा आ रही थी। बेंदा घाट के पास तेज रफ्तार बाइक के ब्रेकर में उछल जाने से वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। एंबुलेस के माध्यम से उसे पीएचसी तिंदवारी में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल से उसे कानपुर रेफर कर दिया।

खाद की कालाबाजारी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बांदा। खरीफ मौसम के लिए किसानों को खाद वितरण के लिए कृषि विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बताया कि जिले में पर्याप्त खाद का भंडार है। सभी फुटकर विक्रेताओं को निर्देश दिए कि अप्रैल और मई माह में खाद ख़रीदने वाले किसान की खतौनी तथा बोई जाने वाली फसल का पूरी तरह से परीक्षण किया जाए। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिन जनपदों में वर्तमान में कोई फसल की बुवाई या टॉपट्रेसिंग का कार्य नहीं चल रहा है वहां पर यूरिया व डीएपी बिकी पर विशेष निगरानी रखी जाए। किसी भी दशा में पूर्व में खाद लेकर स्टॉक बनाने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। थोक व फुटकर खाद विक्रेताओं से कहा कि सभी उर्वरकों का वितरण शत-प्रतिशत पीओएस मशीन के माध्यम से किया जाए। विक्रेताओं के पास वैध निबंधन प्रमाण-पत्र, पीओएस मशीन, स्टॉक एवं विकय पंजिका तथा कैशमेमो होना अनिवार्य है। खाद की जमाखोरी, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री व अन्य उत्पादों के साथ टैगिंग करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बीईओ का स्पष्टीकरण तलब, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की हिदायत

❒ डीएम ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण, खामियों पर जताई नाराजगी

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। जहां एक ओर प्रदेश की योगी सरकार बच्चों को शिक्षा का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के साथ ही विद्यालयों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के तमाम प्रयास कर रही है, वहीं जिलाधिकारी जे.रीभा भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और बेसिक शिक्षा को सबके लिए सुलभ करने का अथक प्रयास कर रही हैं। डीएम की निरीक्षण एक्सप्रेस अक्सर किसी न किसी विद्यालय के बाहर जाकर रुक जाती है और निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को दुरुस्त करने की हिदायत के साथ ही आगे बढ़ जाती है। मंगलवार की सुबह जिलाधिकारी श्रीमती रीभा की निरीक्षण एक्सप्रेस पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय भरखरी में जा पहुंची और वहां का सघन निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय में मिली खामियों के लिए खंड शिक्षा अधिकारी का स्पष्टीकरण तलब किया और व्यवस्थाओं में सुधार के सख्त निर्देश दिए। डीएम सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने, विद्यालय में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही शिक्षण कार्य को और अधिक सुदृढ़ व परिणामोन्मुख बनाने की सख्त हिदायत दी। कहा कि विद्यालयों में शिक्षा का बेहतर माहौल कायम किया जाए, ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके और उनका भविष्य उज्जवल हो सके।

ई–ऑफिस, आरटीआई व जनसुनवाई निस्तारण में शिथिलता बर्दाशत नहीं : आयुक्त

प्रभात समय संवाददाता

❒ आयुक्त ने की शिकायतों के निस्तारण के फीडबैक की समीक्षा

बांदा। आयुक्त ने बैठक करते हुए ई-ऑफिस प्रभावी क्रियान्वयन, ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के निस्तारण तथा ऑनलाइन जनसुनवाई (आईजीआरएस) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के बाद फीडबैक की समीक्षा की। कहा कि ई-आफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत उपयोग करें। किसी भी स्तर पर आफलाइन पत्रावसी का प्रयोग न किया जाए।

मंडलायुक्त अजीत कुमार ने मंगलवार को आयोजित बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के बाद फीडबैक की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। कहा कि केवल औपचारिक निस्तारण पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, तथ्यपरक व समाधानपरक हो। ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के संबंध में आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी आवेदन समयसीमा के भीतर निस्तारित किए जाएं। देरी और अधूरी सूचना दिए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कहा कि शासन की मंशानुसार पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी प्रशासन स्थापित करना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विंध्य मार्ट से महिलाओं की हुनर को मिलेगी उड़ान, खुलेंगे तरक्की के द्वार : जिलाधिकारी

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में लालगंज विकास खंड में मंगलवार का दिन ग्रामीण महिलाओं के सपनों को नई उड़ान देने वाला साबित हुआ। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने जब विंध्य मार्ट का फीता काटा तो यह महज एक भवन का उद्घाटन नहीं था। यह उन मेहनती हाथों की पहचान थी, जो अब तक घर की चारदीवारी तक सीमित थे।

विंध्य मार्ट में जिले के 12 ब्लॉकों से आई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के 35 तरह के उत्पाद सजे थे। कहीं घर का बना अचार, कहीं हस्तशिल्प, तो कहीं रोजमर्रा के उपयोग की चीजें। हर स्टॉल के पीछे एक कहानी थी संघर्ष की, आत्मनिर्भर बनने की और अपने पैरों पर खड़े होने की।जिलाधिकारी ने एक-एक स्टॉल पर जाकर महिलाओं से बात की, उनके काम को समझा और सराहना की। उन्होंने कहा कि अब इन उत्पादों को सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि बड़े बाजारों से जोड़ने की कोशिश की जाएगी, ताकि महिलाओं की आय बढ़े और उनका आत्मविश्वास भी।

मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि विंध्य मार्ट महिलाओं के लिए सिर्फ बिक्री का केंद्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का मंच बनेगा।

कार्यक्रम में उन लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया। बैंक सखी, स्वास्थ्य सखी, आजीविका सखी और विद्युत सखी के रूप में काम कर रहीं महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह संदेश देने के लिए कि बदलाव की असली ताकत गांव की महिलाएं ही हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अब गांव की महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि बाजार में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। विंध्य मार्ट उसी बदलते दौर की एक मजबूत शुरुआत है, जहां आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर गांवों से उभर रही है। इस अवसर पर लालगंज विकासखंड परिसर में नवनिर्मित ब्लॉक सभागार का भी उद्घाटन किया गया। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह सभागार अब प्रशासनिक बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जनसुनवाई जैसे आयोजनों का केंद्र बनेगा। इससे स्थानीय स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और संवाद में तेजी आएगी।

लखीमपुर में मिले 25 मृत गिद्ध, पांच बेहोश

प्रभात समय संवाददाता

❑ वन विभाग में मचा हड़कंप,पशु चिकित्साधिकारी के साथ वन विभाग के अधिकारी जांच में जुटे

लखीमपुर खीरी। जिले के भीरा क्षेत्र में मंगलवार को एक बेहद चिंताजनक घटना सामने आई है, जहां एक कृषि भूमि यानी खेत में बड़ी संख्या में गिद्ध मृत और बेहोशी की हालत में पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया और अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार खेत में करीब 25 गिद्ध मृत अवस्था में मिले जबकि 05 गिद्ध बेहोशी की हालत में पाए गए। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी, रेंज स्टाफ और पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हेमंत कुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण शुरू किया। मौके पर पहुंची टीम ने बेहोश गिद्धों का तत्काल उपचार शुरू कराया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी जहरीले पदार्थ के सेवन से यह घटना हो सकती है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। वन विभाग ने मृत गिद्धों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इस घटना ने क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर चिंता और आक्रोश देखा जा रहा है। भीरा रेंज के रेंजर सतीश चंद्र वर्मा ने बताया कि टीम के साथ मौके का जायजा लिया गया है और मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्विक न्यूज

मीरजापुर में बंद मकान से 25 लाख की चोरी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के जिगना थाना क्षेत्र स्थित दुगौली गांव में बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर चोरों ने लाखों की चोरी कर ली। बदमाशों ने पांच कमरों के ताले तोड़कर जेवरात, नकदी समेत करीब 25 लाख रुपये का माल पार कर दिया। मकान मालिक शेषधर पांडेय कोलकाता में नौकरी करते हैं। उनका परिवार भी बाहर रहता है, जिससे मकान लंबे समय से बंद था। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे गांव के सूर्यमणि नामक व्यक्ति पानी पीने के लिए घर के बाहर रुका तो मुख्य गेट खुला देखकर उसे शक हुआ। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे और अंदर जाकर देखा तो घर के सभी कमरों के ताले टूटे पड़े थे। सूचना मिलते ही पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मकान मालिक के अनुसार चोर उनकी पत्नी के जेवरात, करीब दो लाख रुपये नकद, चांदी के सिक्के और एक बड़ा स्टील का संदूक उठा ले गए। आलमारी, लाकर और अन्य संदूकों को भी तोड़कर खंगाल दिया गया। घटना की सूचना पर मकान मालिक की पत्नी व बेटा गांव पहुंचे। बेटे रौनक उर्फ सौरभ ने थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष की कैद, शादी करने व दो बच्चे होने पर भी हुई सजा

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार की अदालत ने मंगलवार को सात वर्ष पूर्व नाबालिग के अपहरण व उससे दुष्कर्म करने के आरोपित युवक को दोषी करार दिया है। इसके साथ ही 20 वर्ष के सश्रम करावास एवं 15000 रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।अभियोजन कथानक के अनुसार सरपतहा थाना क्षेत्र निवासी महिला ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री को गांव का ही रहने वाला राकेश 17 जुलाई 2019 को बहला फुसलाकर शाम 5:00 बजे भगा ले गया। बहुत खोजने पर भी पता नहीं चला।पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परीशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपित को अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए उक्त दंड से दंडित किया।

शादी का झांसा देकर युवती को गर्भवती करने वाला आजिम गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। शादी के नाम पर हिंदू युवती को गर्भवती कर घर से भगाने वाले आजम को गिरफ्तार कर लिया गया है। फर्रुखाबाद जिले के थाना कादरीगेट के भगुआ नगला निवासी 20 वर्षीय युवती ने थाना मऊदरवाजा के ग्राम ढिलावल चौराहा निकट निवासी आजम खां पुत्र ननकू खां के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक आजम ने युवती को शादी करने का झांसा देकर अपने घर में पत्नी की तरह रखा। उसने युवती का लगातार शोषण किया, जिससे युवती गर्भवती हो गयी। जब युवती ने आजम से शादी करने को कहा तो उसने युवती को कुछ दिनों के लिए अपनी बहन के यहां भेज दिया। युवती को पता चला कि आजम ने दूसरी लड़की से शादी कर ली है तो युवती आजम की बहन के घर से आजम के पास गयी। उसने आजम से शादी करने के लिये कहा तो उसने शादी करने से मना कर दिया और उसको घर से निकाल दिया।

शादी का झूठा वादा कर शारीरिक संबंध बनाने के आरोपितों की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बिजनौर के नजीबाबाद थाने में दर्ज शादी का झूठा वादा कर शारीरिक संबंध बनाने के मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही शिकायतकर्ता और राज्य सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्र एवं न्यायमूर्ति पद्म नारायण मिश्र की खंडपीठ ने याचिका पर उनके अधिवक्ता और सरकारी वकील को सुनकर दिया है। याचियों के विरुद्ध बिजनौर के नजीबाबाद थाने में बीएनएस की धारा 69 (शादी के झूठे वादे पर यौन संबंध) और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। याचियों के अधिवक्ता ने विश्वज्योति चटर्जी बनाम पश्चिम बंगाल राज्य में सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय का हवाला देते हुए तर्क दिया कि पीड़िता और आरोपित पिछले पांच वर्ष से सहमतिपूर्ण संबंध में थे और दो वर्षों से अधिक समय से शारीरिक संबंध में थे।

सीएसजेएमयू में उत्तर क्षेत्र पुरुष खो-खो चैम्पियनशिप का आगाज

42 विश्वविद्यालयों की टीमें ले रहीं भाग

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में उत्तर क्षेत्र पुरुष खो-खो चैम्पियनशिप 2025ऽ26 का शुभारंभ उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। विश्वविद्यालय में देशभर के 42 विश्वविद्यालयों की टीमें प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। खिलाड़ियों में जीत के साथ खेल भावना बनाए रखने का उत्साह देखने को मिला। आयोजन में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। यह बातें मंगलवार को कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कही।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, वित्त अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अंशु यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ से नामित पर्यवेक्षक डॉ. नरेश कुमार, अधिकृत निदेशक भूपेंद्र सिंह और शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव ने भी आयोजन की सराहना की।

इस दौरान खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया। गुब्बारों का विमोचन कर प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की गई। योग प्रदर्शन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जबकि खिलाड़ियों ने खेल शपथ लेकर निष्पक्षता और खेल भावना बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रतियोगिता के मुकाबलों में विभिन्न टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल को 33ऽ28 से हराया। लखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा को 45ऽ20 से पराजित किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी को 48ऽ04 से हराकर बड़ी जीत दर्ज की, जबकि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को 30ऽ22 से शिकस्त दी। कुछ टीमों की अनुपस्थिति के चलते केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू और देव संस्कृत विश्वविद्यालय को वॉकओवर मिला। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव ने बताया कि आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह बना हुआ है। बुधवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय, लखनऊ और हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बीच मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहेगा। यह चैम्पियनशिप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच प्रदान कर रही है और उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

नाले में मिला युवक का शव, मकान हड़पने के लिए हत्या का आरोप लगा बहन ने दर्ज कराया मुकदमा

प्रभात समय संवाददाता

हाथरस। सादाबाद के जलेसर पर स्थित एक गंदे नाले में मंगलवार सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर स्थानीय पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर जांच-पड़ताल शुरु की। शव की शिनाख्त होने पर पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी और मकान हड़पने के लिए हत्या किये जाने का आरोप लगा है, हालांकि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक युवक के सिर और पैरों पर चोट के निशान थे, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। मौके से एक क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। युवक के हाथ में घड़ी बंधी हुई थी। अज्ञात शव मिलने की खबर से इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरु हो गईं। बरामद क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन के आधार पर दोपहर बाद पुलिस ने मृतक युवक की पहचान 48 वर्षीय वेद प्रकाश शर्मा उर्फ सोनू पुत्र राम प्रकाश शर्मा निवासी राधे दिल्ली वाला मोहल्ला थाना कोतवाली सदर हाथरस के रुप में की। शिनाख्त होने पर पुलिस ने परिजनों को घटना से अवगत कराया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

परिवार के लोगों के मुताबिक कल रात्रि 08 बजे के लगभग सोनू अपने घर से चला गया था और उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। सोनू अविवाहित था। सोनू को कुछ लोगों से जान का खतरा था और उसने कुछ दिन पहले ही इस मामले में पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र भी भेजा था। सोनू की बहन नीतू शर्मा ने सहपऊ कोतवाली में तहरीर दी है कि उसके भाई की हत्या कमल और गौरव पुत्रगण हरीश शर्मा उर्फ कुल्लो पहलवान निवासी दिल्ली वाला मोहल्ला थाना कोतवाली सदर हाथरस ने की है। तहरीर में कहा गया है कि यह लोग उसके भाई का मकान हड़पना चाहते थे।

झांसी में फिर बिगड़ा मौसम, धूलभरी आंधी और बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता

प्रभात समय संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में तीन दिनों के भीतर दूसरी बार मौसम ने अचानक करवट बदली है। मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे तेज धूलभरी आंधी के साथ आसमान में काले बादल छा गए, जिससे दिन में ही अंधेरा सा माहौल बन गया। कुछ ही देर बाद बारिश शुरू हो गई, जो लगभग 15 मिनट तक जारी रही। इस बदलाव से जहां एक ओर जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। जिले में मंगलवार सुबह तक तेज धूप और गर्मी का असर बना हुआ था, लेकिन दोपहर होते-होते 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने लगीं। अचानक चली आंधी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और सड़कों पर धूल का गुबार छा गया। इसके बाद हुई बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई।

इससे पहले 4 अप्रैल को भी जिले में तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई थी। महानगर के साथ-साथ मोठ और समथर क्षेत्र के कई गांवों में ओले गिरने से फसलों को नुकसान पहुंचा था। उस दिन के बाद मौसम साफ हो गया था, लेकिन एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिला है। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.1 डिग्री कम है, जबकि मंगलवार को तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। भरारी कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक आदित्य कुमार सिंह ने बताया कि 7 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके प्रभाव से क्षेत्र में आंधी, बारिश और बादल छाने की स्थिति बनी हुई है।

पराली प्रबंधन के लिए किसानों को मिली बैटरी मशीनें, लागत घटाने पर जोर

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। पराली जलाने की समस्या को कम करने और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए मंगलवार को बैटरी चलित मशीनों का वितरण किया गया। इन मशीनों के उपयोग से किसान आसानी से खेतों में पराली प्रबंधन कर सकेंगे और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देंगे। इससे खेती की लागत घटेगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी। किसानों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। यह बातें मंगलवार को प्रसार निदेशक डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने कही। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए)कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर में प्रसार निदेशालय की ओर से संचालित योजना के अंतर्गत बैटरी चलित 'ई-ब्रश कटर' मशीनों का वितरण किया गया। इस दौरान जनपद के रसूलाबाद और राजपुर विकासखंड के किसानों को कुल 100 मशीनें प्रदान की गईं। कार्यक्रम में विकल्प संस्था के अनंत चतुर्वेदी ने बताया कि इन मशीनों की मदद से गेहूं, धान, चना, उर्द, मूंग और सरसों जैसी फसलों की कटाई के साथ-साथ खेतों में उगी जंगली घास की सफाई भी आसानी से की जा सकती है। उन्होंने बताया कि एक श्रमिक आठ से 10 घंटे में एक एकड़ खेत की कटाई कर सकता है, जिससे प्रति एकड़ लगभग 2000 से 2500 रुपये तक की बचत संभव है। यह मशीन ऑफ सीजन में खरपतवार नियंत्रण के लिए भी उपयोगी है। कार्यक्रम में केंद्र प्रभारी डॉ. ए.के. सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. खलील खान ने किया, जबकि अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरुण कुमार सिंह ने दिया।

गंगा में नाव पर सवार होकर बीयर पीने वाला युवक गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में गंगा नदी में बजड़े (बड़ी नाव) पर सवार होकर बीयर पीते युवक का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद एक्शन में आई पुलिस ने आरोपित युवक को अस्सीघाट के समीप से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान नगवां निवासी नाव डेकोरेटर अर्जुन राजभर (25 वर्ष) के रूप में हुई है। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने इसकी पुष्टि की। बताया जा रहा कि पकड़े जाने के बाद युवक अपनी गलती को स्वीकार कर माफी भी मांगता रहा। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम को वह वाराणसी से अदलपुरा बड़ी शीतला माता के जाने वाले बधावा यात्रा में शामिल हुआ था। अर्जुन क अनुसार वह शाम को घर से निकला था और रात में अदलहाट पहुंच गया था। रास्ते में उसने साथियों के साथ नाव के अंदर बीयर पीने के बाद डीजे पर डांस किया था। इस मामले में नाविक प्रेम साहनी ने भेलूपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

मां गंगा निषादराज सेवा न्यास ने भी दशाश्वमेध एसीपी को पत्रक सौंप कर आरोपित को गिरफ्तार करने की मांग की थी। बताया था कि प्रत्येक वर्ष माझी समाज वाराणसी से अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता का बधावा लेकर धूमधाम से नावों पर सवार होकर जाता है। टीवी पर वायरल वीडियो में कुछ लोग शराब पीते नजर आए है। जो बेहद निंदनीय है। इस वीडियो को मां शीतला के बधावा यात्रा और निषाद समाज से जोड़ा जा रहा है। जो कहीं से भी सही नहीं है। माझी समाज आरोपित के कृत्य के खिलाफ हैं । ऐसे में दोषी की शिनाख्त कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाही की जाए।

गंगा नदी में बजड़े पर सवार युवक के बीयर पीने के मामले को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी सवाल उठाया हैं । उन्होंने अपने अधिकृत एक्स अकाउंट पर लिखा कि क्या शराब का यह सेवन जायज है? क्या इससे किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचती? क्या इससे सामाजिक सौहार्द नहीं बिगड़ता? क्या इससे सार्वजनिक उपद्रव नहीं होता? 'जल अधिनियम' का उल्लंघन नहीं होता? क्या सत्ताधारी दल इसकी शिकायत भी नहीं करेगा? 14 मुस्लिम लड़के अब भी जेल में बंद हैं। बताते चले इसे पहले रमजान में गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी करने और बिरयानी के अवशेष गंगा में फेंकने के मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

बरेली में 'यक्ष एप' बना पुलिस का नया हथियार

❑ बरेली में 'यक्ष एप' बना पुलिस का नया हथियार

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। अपराधियों की पहचान और घटनाओं के अनावरण में 'यक्ष एप' बरेली परिक्षेत्र पुलिस के लिए बड़ा हथियार साबित हो रहा है। पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में परिक्षेत्र के सभी जिलों में इस एप का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। एप के माध्यम से गिरफ्तार अपराधियों के फोटो, फिंगरप्रिंट, वॉयस सैंपल, आपराधिक इतिहास और अन्य जानकारियां फीड की जा रही हैं, जिससे पुलिस को अपराधों के खुलासे में तेजी मिल रही है।

हाल ही में जनपद बरेली पुलिस ने 'यक्ष एप' की मदद से दो बड़ी घटनाओं का सफल अनावरण किया। पहली घटना 5 अप्रैल 2026 की है, जब सीबीगंज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े कैंटर से टकरा गई। हादसे के बाद पीछे से आ रही बाइक भी बोलेरो से भिड़ गई। दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक और दो छोटे बच्चे घायल हो गए।

पुलिस ने मृतकों और घायलों के मोबाइल फोन तथा 'यक्ष एप' में दर्ज उनके रिकॉर्ड खंगाले तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। मृतक मनमोहन, सिकंदर और विशेष के साथ घायल युवक प्रिंस हत्या, डकैती और लूट जैसे गंभीर मामलों के आरोपी निकले। जांच के दौरान मनमोहन के पिता नत्थूलाल से पूछताछ की गई, जिसमें सामने आया कि इन लोगों ने 4 अप्रैल को गुरुग्राम से मनोज नामक व्यक्ति और उसके दो बच्चों का अपहरण किया था।

पुलिस को यह भी पता चला कि बोलेरो में घायल मिले दोनों बच्चे वही अपहृत बच्चे थे, जबकि उनके पिता मनोज को फरीदपुर के एक मकान में बंधक बनाकर रखा गया था। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मनोज को सकुशल बरामद कर लिया। वहीं दूसरी घटना में बारादरी थाना क्षेत्र में 31 मार्च को घर में घुसकर बुलेट मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट चोरी करने वाले बदमाशों का खुलासा भी 'यक्ष एप' और सीसीटीवी फुटेज की मदद से हुआ। पुलिस ने इस मामले में सिकंदर उर्फ छोटा और उसके साथी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया।

चार मैच की श्रृंखला के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी। इस श्रृंखला के मैच 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम अपने मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (जिसे सीएएनएआरडी के नाम से भी जाना जाता है) में खेलेगी।

भारत और अर्जेंटीना के बीच हाल में कुछ कड़े मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 का मैच भी शामिल है जिसका फैसला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में किया गया। भारतीय टीम का यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय टीम को विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका भी मिलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, ''हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। इस दौरे का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इस श्रृंखला से हमें प्रति खिलाड़ी को परखने का मौका मिलेगा। हम देखना चाहते हैं कि जरूरत पड़ने पर कौन बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।''

उन्होंने कहा, ''इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। व्यक्तिगत प्रतिभा महत्वपूर्ण है लेकिन अगर आप इस टीम के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते और एक-दूसरे की मदद नहीं कर सकते हैं तो आपके लिए इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।''पुरुषों और महिलाओं दोनों का विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में एक साथ आयोजित किया जाएगा, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होंगे।

ऑस्ट्रेलिया की लेग-स्पिनर अलाना किंग फिर से वनडे रैंकिंग में टॉप पर

एजेंसी

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के कैरेबियन दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन की बदौलत अलाना किंग आईसीसी महिला वनडे बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप पर पहुंच गई हैं। किंग ने सेंट किट्स में अपने आखिरी मैच में पांच विकेट लिए, जिससे मंगलवार को जारी ताज़ा रैंकिंग में वह इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन से आगे निकल गईं।

इस लेग-स्पिनर (753) ने मार्च में रैंकिंग में टॉप पर एक्लेस्टोन के लगभग चार साल के दबदबे को खत्म कर दिया था, हालांकि पिछले हफ्ते की रैंकिंग में वह इंग्लैंड की इस लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर से पीछे रह गई थीं। 30 साल की इस खिलाड़ी ने बासेटेरे के वार्नर पार्क में 5/19 (10) के शानदार आंकड़े के साथ मैच खत्म किया। उन्होंने 44 डॉट गेंदें फेंकीं, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की और 3-0 से सीरीज़ अपने नाम कर ली। आईसीसी के अनुसार, उनके इस प्रदर्शन की बदौलत वह ऑलराउंडर रैंकिंग (281) में एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गईं और इंग्लैंड की नैट साइवर-ब्रंट (280) को पीछे छोड़ दिया। वहीं दूसरी ओर, न्यूज़ीलैंड की बल्लेबाज़ों ने भी शानदार प्रदर्शन किया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज़ में उनके बल्ले से खूब रन निकले। मैडी ग्रीन अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग 642 पर पहुंच गईं और चार स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर आ गईं। एमी केर, जिन्होंने बेसिन रिज़र्व में 139 गेंदों पर 179 रन बनाकर इतिहास का सबसे बड़ा महिला रन चेज पूरा किया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा, वह छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गईं। एमी अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद मारिज़ैन कैप से भी आगे निकल गईं। उनके इस प्रदर्शन में तीसरे वनडे में न्यूज़ीलैंड की जीत के दौरान 2/37 का बॉलिंग प्रदर्शन भी शामिल था, जिसकी बदौलत टीम 2-1 से सीरीज़ जीतने में सफल रही। दूसरी ओर, क्लो ट्रायोन और सुने लुस दोनों ही ऑलराउंडर रैंकिंग में दो-दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 12वें (223 रेटिंग अंक) और 15वें (185 रेटिंग अंक) स्थान पर पहुंच गईं।

एसी मिलान को हराकर नेपोली ने खिताब की उम्मीदें जीवंत रखी

एजेंसी

तूरिन (इटली)। स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थानर पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया।

सात्विक-चिराग हटे; सिंधु, लक्ष्य संभालेंगे भारतीय चुनौती

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में भारत की पदक की उम्मीदों की अगुवाई करेंगे। यह चैंपियनशिप मंगलवार से चीन के निंगबो में शुरू होने वाली है। 2026 की बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप लगातार तीसरी बार है जब यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता निंगबो में आयोजित की जा रही है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अब तक दो बार एशियाई चैंपियन का खिताब जीता है। दिनेश खन्ना 1965 में पुरुषों के एकल (सिंगल्स) चैंपियन बने थे, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 2023 में पुरुषों के युगल (डबल्स) का खिताब जीता था। देश के शटलरों ने इस प्रतियोगिता में कई कांस्य पदक भी जीते हैं। सात्विक-चिराग को इस बार के टूर्नामेंट में खेलना था, लेकिन सात्विक के कंधे में चोट लगने के कारण उन्होंने आखिरी समय पर टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी मजबूती बनाए रखना है तो बुधवार को यहां होने वाले मैच में गुजरात टाइटंस की लड़खड़ाती टीम के खिलाफ केएल राहुल की अगुवाई वाले उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाज़ी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वह पिछले कुछ मैच जीतने में सफल रही। बल्लेबाजी में उसकी तरफ से 22 वर्षीय समीर रिजवी ने अधिक जिम्मा संभाला है। इस युवा बल्लेबाज ने अपने धैर्य और कौशल का शानदार नमूना पेश करके प्रभावित किया है। अगर राहुल और शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज लय में आ जाते हैं, तो दिल्ली कैपिटल्स और भी मजबूत टीम बन जाएगी।

राहुल अपनी शुरुआती दो पारियों में जिस तरह से आउट हुए हैं, उसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता और वह किसी भी समय बड़ी पारी खेल सकते हैं। तीसरे नंबर पर हालांकि नीतीश राणा असफल रहे हैं और लग रहा है कि वह इस नंबर पर ज्यादा दबाव महसूस कर रहे हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिससे उन्हें पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज की जोड़ी का सामना करने के लिए जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।

आईपीएल में लगातार तीसरा अर्धशतक (एक अर्धशतक पिछले सत्र के अपने आखिरी मैच में लगाया था) लगाने वाले रिजवी आक्रामक फॉर्म में हैं। उनमें स्पिनरों की जमकर धुनाई करने की क्षमता तो पहले से थी ही, लेकिन अब वह तेज गेंदबाजों को भी नहीं बख्श रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने पारी के शुरू में संयमित रवैया अपनाया लेकिन बाद में उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।दिल्ली की तरफ से गेंदबाजों में मुकेश कुमार ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है, वहीं कप्तान अक्षर पटेल पावरप्ले और बीच के ओवरों दोनों में प्रभावी रहे हैं।

लुंगी एनगिडी ने दिल्ली की गेंदबाजी इकाई को मजबूती प्रदान की है, जिसमें टी नटराजन और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं।

इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स एक ऐसी टीम है जो दोनों विभाग में लड़खड़ा रही है। गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर जरूर से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम नहीं चल पा रहा है। गुजरात टाइटन्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य से हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से मिली अच्छी शुरुआत का मध्यक्रम के बल्लेबाज फायदा नहीं उठा सके। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

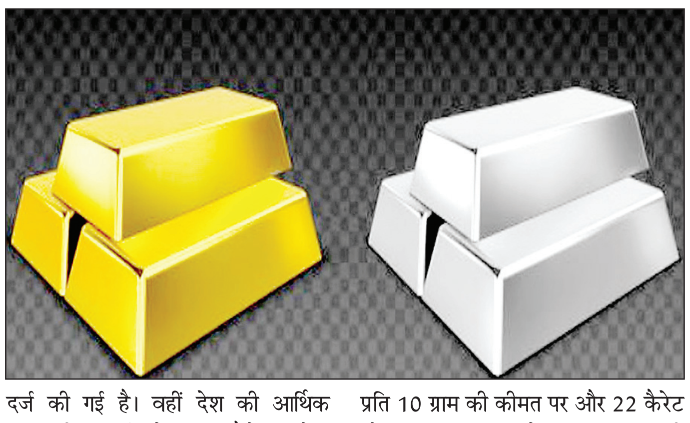

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,50,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एयर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 रुपये तक महंगी, नया किराया 8 अप्रैल से होगा लागू

❒ फ्यूल सरचार्ज में बदलाव किये जाने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दाम २६ हजार तक बढ़ेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला है। देश की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया ने लागत के बढ़ते दबाव को देखते हुए अपने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव का फैसला लिया है। नई दरें 8 अप्रैल से प्रभावी होंगी।

एयर इंडिया समूह ने मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संशोधित ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के इस कदम के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों की कीमतों में अब इजाफा होना तय है, जिससे आने वाले दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट में किराया 299 रुपये लेकर 899 रुपये तक बढ़ जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकटों के दाम 2,200 रुपये लेकर 26 हजार रुपये तक बढ़ जाएंगे। एयरलाइन ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के घरेलू एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा 25 फीसदी तय करने के निर्णय के बाद एयर इंडिया समूह भी इसी संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा है। इसके तहत घरेलू उड़ानों पर लगने वाले एक समान सरचार्ज को हटाकर दूरी पर आधारित एक नई ग्रिड प्रणाली लागू की जा रही है, जो 08 अप्रैल से प्रभावी होगी, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें भी शामिल हैं। एयर इंडिया के मुताबिक जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने के कारण उड़ानों की लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी।

बड़ी गिरावट के बाद सेंसेक्स 1,403 अंक तक उछला, निफ्टी की 434 अंक तक छलांग

❒ बाजार की मजबूती से निवेशकों को 1.72 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे बाजार की स्थिति सुधरने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.69 प्रतिशत और निफ्टी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लगातार तीसरे कारोबारी दिन निचले स्तर से शानदार रिकवरी कर मजबूती के साथ बंद होने में सफलता हासिल की। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स ने निचले स्तर से 2,022.73 अंक और निफ्टी ने निचले स्तर से 599.75 अंक की छलांग लगाई थी। इसी तरह कल यानि सोमवार के कारोबार में सेंसेक्स निचले स्तर से 1,478.80 अंक और निफ्टी निचले स्तर से 455.40 अंक उछल गए थे। आज भी सेंसेक्स ने निचले स्तर से 1,403.91 अंक की और निफ्टी ने निचले स्तर से 434.55 अंक की छलांग लगाई। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके वजह से बीएसई का कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में की मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 429.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,381 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,668 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,560 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,985 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,924 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,061 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 372.49 अंक की कमजोरी के साथ 73,734.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही यह सूचकांक निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण 824.44 अंक फिसल कर 73,282.41 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।

लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर एक बजे के करीब सेंसेक्स निचले स्तर से रिकवरी कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। बाजार में इसके बाद भी खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाए रखा, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 1,403.91 अंक की रिकवरी कर 579.47 अंक की मजबूती के साथ 74,686.32 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 509.73 अंक की बढ़त के साथ 74,616.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 129.55 अंक टूट कर 22,838.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही यह सूचकांक 248.95 अंक की कमजोरी के साथ 22,719.30 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 434.55 अंक सुधर कर 185.60 अंक की मजबूती के साथ 23,153.85 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 30 अंक से अधिक फिसल कर 155.40 अंक की तेजी के साथ 23,123.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 3.77 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.92 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2.73 प्रतिशत, टीसीएस 2.66 प्रतिशत और इंफोसिस 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.78 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 1.06 प्रतिशत, इंटर ग्लोब एविएशन 1.01 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 0.63 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य की ओर कर रही तेजी से कार्य : शिवराज

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारत की रीढ़ है तथा किसान इस देश की आत्मा हैं। केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उनके जीवन स्तर में सुधार करते हुए कृषि में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने राजस्थान में कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि का रोडमैप तैयार किया गया है। चौहान ने अन्य राज्यों को भी इस नवाचार का अनुसरण करने का संदेश दिया। चौहान मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में पहला क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का शुभारंभ राजस्थान से किया गया है। उन्होंने खेती से जुड़े इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का राजस्थान में आयोजन होने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा तथा राजस्थान राज्य शामिल है तथा इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा। साथ ही, सम्मेलन से राज्यों के बीच आपसी समन्वय व नवाचारों को भी साझा कर कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं। पहला, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना जिससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को गति मिले। दूसरे लक्ष्य के तहत किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, तीसरे लक्ष्य के रूप में खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए उत्पादन वृद्धि, कृषि का विविधीकरण और एकीकृत कृषि प्रणाली जैसी पहलों के माध्यम से पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

चौहान ने कहा कि सभी राज्य मिशन मोड पर कार्य करते हुए फार्मर आईडी के तहत 100 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण करवाए जिससे किसानों को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके। प्राकृतिक आपदाओं द्वारा उत्पन्न जोखिमों से किसानों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन करें, जिससे किसानों को बीमा योजना का लाभ त्वरित मिल सके।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि राजस्थान में कृषि के संभावनाओं को देखते हुए कृषि के रोडमैप बनाने की पहल की गई है। अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर कृषि का रोडमैप बनाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी समय में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें भी केंद्र सरकार विशेषज्ञों, अधिकारी तथा वैज्ञानिकों की टीम भेजेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि किसान देश की नींव हैं और देश का विकास गांव की पगडंडियों, खेत-खलियानों से होगा। उन्होंने संवेदनशीलता के साथ किसान हित में निर्णय लेते हुए पीएम किसान सम्मान निधि को बढ़ाया।

प्रदेश में हमारी सरकार ने इसमें 3 हजार रुपये और जोड़कर इसे 9 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में मई माह में 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों को जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार किसान हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमने विकसित राजस्थान 2047 की कार्य योजना तैयार की है जिसके तहत फसल श्रेणी वार लक्ष्यों का निर्धारण किया है। हमने कृषि बजट में 34 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब पारंपरिक तरीकों के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिससे कृषि नौकरी और व्यापार से भी अधिक लाभकारी बन सके।

ममता ने केंद्रीय फंड को पार्टी के काम के लिए इस्तेमाल किया: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा और कल्याण योजनाओं के लिए दिए गए धन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने राज्य की शिक्षा व्यवस्था में गिरावट का भी दावा किया।

धर्मेंद्र प्रधान ने कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मध्यान्ह भोजन, पाठ्य पुस्तकों और स्कूल ड्रेस के लिए दिए गए केंद्रीय धन को कथित रूप से पार्टी गतिविधियों में लगाया गया। उन्होंने कहा, ल्लबंगाल की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया गया है। प्रधान ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार के साथ-साथ वाम मोर्चा के लंबे शासनकाल को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी महान हस्तियों की विरासत वाले राज्य की स्थिति अब चिंताजनक हो गई है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को निराधार बताया। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार ने विभिन्न जनकल्याण योजनाओं के तहत राज्य के लगभग दो लाख करोड़ रुपये रोक रखे हैं। केंद्रीय मंत्री ने शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया और कहा कि यह प्रक्रिया या तो ठप हो गई है या भ्रष्टाचार से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव का मुख्य मुद्दा भयमुक्त बंगाल, रोजगार के अवसर और महिलाओं की सुरक्षा होगा। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 04 मई को होगी।

महाराष्ट्र के नागपुर में विस्फोटक बरामद, इलाके में हड़कंप

एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर के सेंट्रल ऐवन्यू (सीए रोज) इलाके में मंगलवार को बड़ी मात्रा में जिंदा विस्फोटक मिलने से हड़कंप मच गया। गणेशपेठ पुलिस थाना क्षेत्र के दोसर भवन चौराहे पर स्थित मेट्रो स्टेशन के ठीक समीप यह घटना सामने आई है।

गणेशपेठ पुलिस को मंगलवार सुबह एक घर के पास संदिग्ध बैग मिलने की सूचना को मिली, जिसके बाद जांच शुरू की गई। जांच के दौरान बैग में 15 जिलेटिन की छड़ें, 58 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद किए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह बैग पिछले एक से डेढ़ महीने से वहां पड़ा हुआ था। सुबह बैग से जिलेटिन की छड़ें बाहर दिखाई देने लगीं, जिसके बाद मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इस सूचना पर पुलिस के साथ बम खोजी दस्ता (बीडीडीएस) मौके पर पहुंचा। उन्होंने इलाके को तुरंत इलाके को सील कर तलाशी अभियान चलाया और सभी विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित रूप से जब्त कर आगे की जांच के लिए भेज दिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इस बीच प्रारंभिक जांच में नागपुर जिले के काटोल क्षेत्र स्थित एसबीएल कंपनी में हुए विस्फोट से इस मामले का संबंध होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि वहां से विस्फोटक सामग्री लाकर यहां फेंकी गई हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस उपायुक्त राहुल मदने ने बताया कि मौके से बरामद सभी सामग्री को सुरक्षित कर लिया गया है और मामले की गहन जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। गौरतलब है कि यह इलाका अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। घटनास्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर जामा मस्जिद, 500 मीटर पर पोद्दारेश्वर राम मंदिर और लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर दूर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय स्थित है। इससे इस घटना की गंभीरता और बढ़ गई है।

सोनार बांग्ला बनाने के लिए भाजपा को जिताएं: सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को फिर से सोनार बंगाल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना समर्थन दें। भाजपा यहां से घुसपैठिए को भगाने, लोकतंत्र स्थापित करने और बंगाली अस्मिता को फिर से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिस तरह आजादी की लड़ाई में पश्चिम बंगाल का सबसे बड़ा योगदान था, उसी तरह अब घुसपैठियों की हिमायती, हिंदू विरोधी और अराजक ममता सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बंगाली समाज तैयार है।

सम्राट चौधरी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल होने मंगलवार को हावड़ा पहुंचे। यहां एमजी रोड स्थित एचएमसी कार्यालय के पास आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में घुसपैठ समाप्त करना है, सुशासन स्थापित करना है और संदेशखाली जैसी घटनाएं रोकनी हैं तो भाजपा को जिताना होगा।

सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाहरी भीतरी को राजनीतिक हथकंडा बताते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल का मुख्यमंत्री कोई बाहरी नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल का बेटा या बेटी ही बनेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में 26 हजार नौकरियों में लूट हुई। युवाओं का हक छीना गया। जिन 8 हजार स्कूलों में बंगाली बच्चे पढ़ते थे, उन्हें बंद किया गया, जबकि मदरसों को बंद नहीं किया गया।

सम्राट चौधरी ने कहा कि जिस तरह बिहार में पिछले पांच वर्षों में 50 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार दिया गया, उसी तरह पश्चिम बंगाल में भी बड़े स्तर पर रोजगार सृजन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के लोगों को भी आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा। यहां सातवां वेतनमान लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और राज्य में अराजकता का माहौल है। बंगाल में हिंदुओं के साथ जुल्म हो रहा है और गुंडागर्दी बढ़ी है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए बांग्लादेशियों को बुला रही है, घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। एसआईआर का विरोध कर रही हैं। घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं, जिस तरह बिहार से घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटाया गया, उसी तरह पश्चिम बंगाल से बांग्लादेशियों को भगाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव सिर्फ राज्य का नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि एक समय कोलकाता में पूरे देश से लोग नौकरी करने आते थे, लेकिन आज यहां से पलायन हो रहा है।

एक्शन और ड्रामा से भरपूर 'मटका किंग' का ट्रेलर रिलीज

एजेंसी

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी ओरिजिनल ड्रामा सीरीज 'मटका किंग' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। नागराज मंजुले द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित इस सीरीज को अभय कोरान्ने ने लिखा है। ट्रेलर 1960 के दशक के तेजी से बदलते बॉम्बे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प कहानी की झलक देता है, जिसमें एक आम आदमी के असाधारण सफर को दिखाया गया है।

सीरीज में विजय वर्मा ब्रिज भट्टी नामक एक महत्वाकांक्षी कॉटन ट्रेडर के किरदार में नजर आएंगे, जो 'मटका' जुए के साम्राज्य को खड़ा करता है। कहानी दिखाती है कि कैसे अमीरों के शौक को वह देशभर का जुनून बना देता है, लेकिन इसके साथ जोखिम और खतरे भी बढ़ते जाते हैं। सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव और गुलशन ग्रोवर सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विजय वर्मा ने इस प्रोजेक्ट को अपने लिए एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि 1960 के दौर की इस कहानी में किरदार को जीना उनके लिए बेहद खास रहा। उनके मुताबिक, यह सीरीज महत्वाकांक्षा, ताकत और सफलता की कीमत की कहानी है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। 'मटका किंग' 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी।

84 वर्ष के हुये जीतेन्द्र

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता जीतेन्द्र आज 84 वर्ष के हो गये। 07 अप्रैल 1942 को एक जौहरी परिवार में जन्में जीतेन्द्र का रूझान बचपन से हीं फिल्मों की ओर था और वह अभिनेता बनना चाहते थे।वह अक्सर घर से भाग कर फिल्म देखने चले जाते थे।जीतेन्द्र ने अपने सिने करियर की शुरूआत 1959 में प्रदर्शित फिल्म नवरंग से की जिसमें उन्हें छोटी सी भूमिका निभाने का अवसर मिला।लगभग पांच वर्ष तक जीतेन्द्र फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेता के रूप में काम पाने के लिये संघर्षरत रहे।वर्ष 1964 में उन्हें व्ही .शांताराम की फिल्म गीत गाया पत्थरों ने..में काम करने का अवसर मिला।इस फिल्म के बाद जीतेन्द्र अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये।

वर्ष 1967 में जीतेन्द्र की एक और सुपरहिट फिल्म फर्ज प्रदर्शित हुयी। रविकांत नगाइच निर्देशित इस फिल्म में जीतेन्द्र ने डांसिग स्टार की भूमिका निभाई।इस फिल्म में उन पर फिल्माया गीत मस्त बहारो का मैं आशिक श्रोताओं और दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ।इस फिल्म के बाद जीतेन्द्र को जंपिग जैक कहा जाने लगा। फर्ज की सफलता के बाद डांसिग स्टार के रूप में जीतेन्द्र की छवि बन गयी। इस फिल्म के बाद निर्माता-निर्देशकों ने अधिकतर फिल्मों मेंउनकी डांसिंग छवि को भुनाया। निर्माताओं ने जीतेन्द्र को एक ऐसे नायक के रूप में पेश किया जो नृत्य करने में सक्षम है।इन फिल्मों में हमजोली और कारंवा जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल है।इस बीच जीतेन्द्र ने जीने की राह,दो भाई और धरती कहे पुकार के जैसी फिल्मों में हल्के.फुल्के रोल कर अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया।

पुलकित सम्राट की 'ग्लोरी' का दमदार टीज़र रिलीज

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट की वेब सीरीज़ 'ग्लोरी' का टीज़र रिलीज हो गया है। अपने पिछले किरदारों से अलग 'ग्लोरी' में पहली बार बॉक्सर के रूप में, नज़र आ रहे पुलकित सम्राट ने अपने ऑन-स्क्रीन इमेज में एक बड़ा बदलाव किया है।अपने रोमांटिक और कॉमिक किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले पुलकित इस बार एक जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ सामने आए हैं। टीज़र में दर्शकों को उनकी ज़बरदस्त फिजीक के साथ सख्त ट्रेनिंग, इमोशनल पलों और दमदार बॉक्सिंग सीक्वेंसेज़ की झलक देखने को मिली है, जो संघर्ष, जज़्बे और खुद को साबित करने की कहानी की ओर इशारा करती है। पुलकित सम्राट ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, ल्लमुझे 'ग्लोरी' की दुनिया की सच्चाई ने खींचा, जो कठिन और बेरहम है, लेकिन यही इसे खूबसूरत भी बनाती है। दरअसल यहां हर जीत मायने रखती है और हर कदम ज़रूरी है। रवि रिएक्ट नहीं करता, वो सब कुछ अपने अंदर समेटता है। वो बाहर से शांत है, लेकिन अंदर आग है उसके और उसका यही संतुलन, उसकी असली ताकत है। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि ग्रेटनेस बार-बार उठकर खड़े होने में है, फिर चाहे कितना भी दर्द क्यों न हो इसलिए चैंपियन वही बनते हैं, जो हर मुश्किल से गुजरते हैं।

अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए बर्थडे ट्रीट

❑ आज हटेगा 'एए22xए6' के टाइटल पोस्टर से पर्दा

एजेंसी

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन कल अपने जन्मदिन पर एक बड़ा ट्रीट देने वाले हैं। अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग देश के बाहर दुनिया भर में फैली हुई है। उनका औरा, प्रेजेंस और एक्टिंग बेमिसाल है। फैंस उनके के हर अपडेट और रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं, और उनके हर प्रोजेक्ट का जबरदस्त बज होता है। उनकी अगली फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर है, और सोशल मीडिया पर अभी से काफी चर्चा और अटकलें शुरू हो गई हैं।

अपने फैंस को सरप्राइज देने के लिए मशहूर, अल्लू अर्जुन कल अपने जन्मदिन पर एक बड़ा ट्रीट देने वाले हैं। उनकी अगली बड़ी फिल्म, जिसका नाम अभी 'एए22ब्ए6' रखा गया है और जिसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं, उसके टाइटल पोस्टर का खुलासा इन सेलिब्रेशन्स के हिस्से के रूप में किया जाएगा।

मेकर्स, सन पिक्चर्स ने एक दिलचस्प पोस्टर शेयर किया है जिसमें एक भेड़िये जैसा डरावना हाथ और नुकीले नाखून काली रात के बैकड्रॉप पर ड्रामेटिक अंदाज़ में उभर रहे हैं। यह इंटेंस विजुअल एक पावरफुल तमाशे की टोन सेट करता है, जिससे कल सुबह 11 बजे होने वाले बड़े खुलासे के लिए एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ल्लतैयार हो जाइए धमाके के लिए टाइटल पोस्टर - कल सुबह 11 बजे इस अपडेट के साथ, 'एए22ब्ए6'को लेकर चर्चा अब अपने चरम पर पहुँच गई है। एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर मानी जा रही इस फिल्म में अल्लू अर्जुन एक ऐसे इंटेंस अवतार में नज़र आएंगे जो पहले कभी नहीं देखा गया, जहाँ अल्लू अर्जुन का एक बिल्कुल नया और पावर-पैक रूप देखने को मिलेगा। वो फिल्म में दीपिका पादुकोण के साथ दिखेंगे, जो फीमेल लीड का रोल निभा रही हैं। दुनिया भर के दर्शक और फैंस अब टाइटल पोस्टर के खुलासे और आगे के अपडेट्स का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, क्योंकि इस बहुप्रतीक्षित सिनेमाई तमाशे को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है।